जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः28 अंकः 340 दिनांकः16-04-2024 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत सोमवार को 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने केजरीवाल की हिरासत की अवधि बढ़ा दी।

आईपीएल का 30वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया इस मैच में एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 287 रन बनाए थे।

ला नीना के प्रभाव से बेहतर रहेगा मानसून, भारतीय मौसम विभाग ने जारी किया अनुमान

फसलों के लिए अच्छा संकेत, देश में इस साल होगी झमाझम बारिश

-मध्य प्रदेश, राजस्थान, समेत 25 राज्यों में अच्छी बारिश होगी, ओडिशा में कम बरसात

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि इस बार जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। मौसम विभाग 104 से 110 फीसदी के बीच बारिश को सामान्य से बेहतर मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। मौसम विभाग ने बताया कि 2024 में 106 प्रतिशत यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज 868.6 मिलीमीटर यानी 86.86 सेंटीमीटर होता है। यानी मानसून सीजन में कुल इतनी बारिश होनी चाहिए। इससे पहले 9 मार्च को प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने सामान्य मानसून का अनुमान जारी किया था। यानी जून से सितंबर तक 4 महीने में 96 से 104 प्रतिशत के बीच बारिश हो सकती है।

भारत में आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल के रास्ते आता है। 4 महीने की बरसात के बाद यानी सितंबर के अंत में राजस्थान के रास्ते इसकी वापसी होती है। 25 राज्यों केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र , गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, प.बंगाल, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पुड्डुचेरी, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षदीप, दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव में सामान्य से ज्यादा बारिश का अनुमान जताया गया है। वहीं 4 राज्यों छत्तीसगढ़, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सामान्य बारिश का अनुमान है। 6 राज्यों में ओडिशा, असम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में सामान्य से कम बारिश का अनुमान है। मौसम के प्रभाव के चलते शुरुआत (जून-जुलाई) में मानसून की रफ्तार धीमी रहेगी, लेकिन दूसरे फेज (अगस्त-सितंबर) में इसकी भरपाई हो जाएगी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून को लेकर अगली संभावना मई के आखिरी सप्ताह में जारी की जाएगी। वैज्ञानिकों के मुताबिक भारी बारिश वाले दिनों की संख्या घट रही है, जबकि बहुत तेज बारिश वाले दिनों यानी कम समय में बहुत ज्यादा बारिश वाले दिनों की संख्या बढ़ रही है। इसकी वजह बार-बार आने वाला सूखा और बाढ़ है।

पिछले साल 48 मिमी कम बारिश

पिछले साल मौसम विभाग ने 96 प्रतिशत बारिश का अनुमान जताया था। हालांकि, उस दौरान अनुमान से 2 प्रतिशत कम यानी 94 प्रतिशत ही बारिश हुई। 2023 में मानसून की विदाई 25 सितंबर से शुरू हुई और 30 सितंबर तक पूरे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली के साथ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान से विदा हो गया। मौसम विभाग के मुताबिक, 2023 में 820 मिमी बारिश हुई। सामान्य रूप से 868.6 मिमी बारिश होती है यानी पिछले साल 48 मिमी कम बारिश हुई। इससे पहले 4 साल लगातार सामान्य या अधिक बारिश वाला मानसून रहा था।

इकोनॉमी के लिए अच्छी बारिश जरूरी

देश में सालभर में होने वाली कुल बारिश का 70 प्रतिशत पानी मानसून के दौरान ही बरसता है। देश में 70 प्रतिशत से 80 प्रतिशत किसान फसलों की सिंचाई के लिए बारिश पर ही निर्भर हैं। यानी मानसून के अच्छे या खराब रहने से पैदावार पर सीधा असर पड़ता है। अगर मानसून खराब हो तो फसल कम पैदा होती है, जिससे महंगाई बढ़ सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में एग्रीकल्चर सेक्टर की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत है। वहीं, देश की आधी आबादी को कृषि क्षेत्र ही रोजगार देता है। अच्छी बारिश का मतलब है कि खेती से जुड़ी आबादी को फेस्टिव सीजन से पहले अच्छी आमदनी हो सकती है। इससे उनकी खर्च करने की क्षमता बढ़ती है, जो इकोनॉमी को मजबूती देती है।

ईरान-इजरायल वॉर से शेयर बाजार में निवेशकों के डूबे 5 लाख करोड़

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते के पहले दिन हाहाकार मचा हुआ है। बाजार खुलते ही सेंसेक्स 727 अंकों की गिरावट के साथ 73,531 अंकों के स्तर पर पहुंच गया था। कारोबारी सत्र के दौरान बाजार में बिकवाली हावी है। निफ्टी में भी गिरावट देखने को मिल रही है। निफ्टी 200 अंकों से ज्यादा टूटकर 22,315.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट के बीच शेयर बाजार निवेशकों को करीब 5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। 12 अप्रैल 2024 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 3,99,67,051.91 करोड़ रुपए था। सोमवार को यह 3,94,68,258.03 करोड़ रुपए पर आ गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी 4,98,793.88 करोड़ रुपए घट गई है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही थी। वहीं टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और नेस्ले के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए थे। इससे पहले गुरुवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर बाजार बंद रहे थे। वहीं बीते बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 354.45 अंक चढ़कर 75,038.15 अंक के अब तक के उच्च स्तर पर बंद हुआ था। एशियाई बाजारों में भी चौतरफा गिरावट देखी जा रही है। कोस्पी, हैंगसेंग, शंघाई कंपोजिट, निक्केई सभी में कमजोरी का लाल निशान हावी है। ईरान-इजरायल तनाव और क्रूड में तेजी का असर एशियाई बाजारों पर खराब असर डाल रहा है।

वकीलों के बाद पूर्व न्यायाधीशों ने भी मुंह खोला...सीजेआई को लिखा पत्र, कहा - कुछ लोग अपने फायदे के लिए ज्यूडीशियरी पर बना रहे दबाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोट्र्स के 21 रिटायर्ड जजों ने सीजीआई डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होंने बताया है कि कुछ लोग सोचे-समझे ढंग से दबाव बनाकर, गलत सूचनाएं और सार्वजनिक रूप से अपमानित करके न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिशें कर रहे हैं। ये लोक ओछे राजनीतिक हित और व्यक्तिगत लाभ के लिए न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम कर रहे हैं।

चिट्ठी लिखने वाले 21 जजों में से 4 सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज हैं। जबकि बाकी 17 राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस या अन्य जज हैं। 14 अप्रैल को सीजेआई को भेजे गए ओपन लेटर में जजों ने उन घटनाओं के बारे में नहीं बताया है, जिसके कारण उन्हें इसे लिखना पड़ा। लेकिन यह कदम भ्रष्टाचार के मामलों में कुछ विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दलों के बीच चल रही बयानबाजी के बीच उठाया गया है।

हमारी ही ईमानदारी पर उठ रहे सवाल

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस (रिटायर) दीपक वर्मा, कृष्ण मुरारी, दिनेश माहेश्वरी और एमआर शाह समेत रिटायर्ड जजों ने आरोप लगाया है कि आलोचक अदालतों और जजों की ईमानदारी पर सवाल उठाने के साथ न्यायिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के लिए कपटपूर्ण तरीके अपना रहे हैं। जजों ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयां न केवल हमारी न्यायपालिका की पवित्रता का अपमान करती हैं, बल्कि न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों के लिए सीधी चुनौती भी पेश करती हैं, जिन्हें बनाए रखने के लिए कानून के संरक्षक के रूप में न्यायाधीशों ने शपथ ली है।

हमें चिंता जनता को भरोसा न उठे

लेटर में जजों ने ज्यूडीशियरी से जनता का भरोसा उठने की आशंका जताई है। उन्होंने लिखा- हम विशेष रूप से गलत जानकारी से न्यायपालिका के खिलाफ जनता की भावनाओं को भडक़ाने वाली रणनीति को लेकर चिंतित हैं, जो न केवल अनैतिक है, बल्कि हमारे लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों के लिए नुकसानदायक भी है। किसी के विचारों से मेल खाने वाले अदालती फैसलों की चुनिंदा तौर पर प्रशंसा और जो विचारों से मेल नहीं खाते, उनकी तीखी आलोचना करने की प्रथा ज्यूडिशियल रिव्यू और कानून को कमजोर करती है।

चुनाव आयोग ने 44 दिन में 4658.13 करोड़ जब्त किए

लोकसभा चुनाव के 75 साल के इतिहास में ये सबसे ज्यादा

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा कैश, कर्नाटक में सबसे ज्यादा शराब जब्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 मार्च से 13 अप्रैल तक चेकिंग के दौरान देश भर में 4658.13 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। इनमें कैश, सोना-चांदी, शराब, ड्रग्स और कीमती सामान शामिल हैं। लोकसभा चुनाव के 75 साल के इतिहास में ये अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है। 2019 में 3475 करोड़ रुपए सीज किए गए थे।

चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले जनवरी और फरवरी में कुल 7502 करोड़ रुपए जब्त किए गए थे। इस तरह, जनवरी से 13 अप्रैल तक कुल 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गई है।

हर दिन करीब 100 करोड़ की जब्ती हो रही

आयोग के मुताबिक, 1 मार्च के बाद से जब्त किए गए सामान में 2068.85 करोड़ के ड्रग्स, 1142.49 करोड़ के मुफ्त में बांटे जाने वाले सामान, 562.10 करोड़ की कीमती धातुएं, 489.31 करोड़ की शराब और 395.39 करोड़ कैश शामिल है। कैश सहित सभी सामानों को मिलाकर हर दिन करीब 100 करोड़ रुपए सीज किए जा रहे हैं। सबसे ज्यादा कैश तमिलनाडु में 53 करोड़, तेलंगाना में 49 करोड़, महाराष्ट्र में 40 करोड़, कर्नाटक और राजस्थान में 35-35 करोड़ रुपए से ज्यादा जब्त किए गए हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 124.3 करोड़ की शराब सीज की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 51.7 करोड़, राजस्थान में 40.7 करोड़, उत्तर प्रदेश में 35.3 करोड़ और बिहार में 31.5 करोड़ रुपए की शराब जब्त की गई। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जब्ती में 45 फीसदी ड्रग्स और नशीले पदार्थ हैं। गुजरात से सबसे ज्यादा करीब 485.99 करोड़ रुपए के ड्रग्स बरामद किए गए हैं। इसे बाद तमिलनाडु में 293.02 करोड़, पंजाब में 280. 81 करोड़, महाराष्ट्र में 213.56 करोड़ और दिल्ली में 189. 94 करोड़ के ड्रग्स जब्त किए गए हैं।

केजरीवाल को राहत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, ईडी को जारी किया नोटिस, अब 29 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली । दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने त्वरित राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ईडी को नोटिस जारी कर 24 अप्रैल तक जवाब देने का निर्देश दिया है। अदालत अब केजरीवाल मामले पर 29 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दावा किया कि केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार से रोकने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने मामले की अगली सुनवाई जल्दी करने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा कि सुनवाई 29 अप्रैल से पहले नहीं की जा सकती।

केजरीवाल के वकील ने मामले को सुनवाई के लिए 19 अप्रैल को ही सूचीबद्ध करने की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया और मामले को सुनवाई के लिए 29 अप्रैल को सूचीबद्ध किया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि केजरीवाल ने शराब नीति घोटाले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था, लेकिन हाईकोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली थी, जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल को झटका देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनकी उस याचिका को खारिज करते हुए राहत देने से इनकार कर दिया था। केजरीवाल ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा था कि बार-बार समन भेजने के बावजूद केजरीवाल के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं होने और जांच में शामिल नहीं होने से जांच एजेंसी के पास कोई खास विकल्प नहीं बचा था।

उच्च न्यायालय ने दिल्ली सीएम की याचिका खारिज करते समय निदेशालय के इस दावे का भी हवाला दिया था कि केजरीवाल अपराध से हुई आय के उपयोग और उसे छिपाने में सक्रिय रूप से शामिल थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए कहा था कि 'आम और खास व्यक्ति' के खिलाफ जांच अलग-अलग नहीं हो सकती। केजरीवाल के वकील ने मामले को सुनवाई के लिए 19 अप्रैल को ही सूचीबद्ध करने की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया और मामले को सुनवाई के लिए 29 अप्रैल को सूचीबद्ध किया है।

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार एवं धनशोधन से संबंधित है। संबंधित नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। धन शोधन रोधी एजेंसी की दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने से उच्च न्यायालय के इनकार के कुछ ही घंटे बाद प्रवर्तन निदेशालय ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। वह फिलहाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में हैं।

दिल्ली शराब नीति मामले में चरणप्रीत सिंह गिरफ्तार, 18 अप्रैल तक रिमांड पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने चरणप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। चरणप्रीत ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के कोष का कथित तौर पर ''प्रबंधन किया था। आधिकारिक सूत्रों ने ने बताया कि सिंह को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था और अगले दिन यहां की एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया।

सूत्रों के मुताबिक, चरणप्रीत सिंह ने जून 2022 से लेकर मार्च 2022 तक आम आदमी पार्टी के गोवा चुनाव अभियान में हिस्सा लिया था और उसे फरवरी 2022 में आम आदमी पार्टी ने भुगतान किया था।

सूत्रों के मुताबिक, चरणप्रीत सिंह को दिल्ली सरकार में पीआर का काम करने के लिए 55 हजार रुपए मिले थे। यह कंपनी दिल्ली सरकार के सूचना और प्रसारण विभाग से जुड़ी हुई है। साथ ही वह विजय नायर के साथ ही कई आप नेताओं से भी जुड़ा हुआ था। अदालत ने सिंह को 18 अप्रैल तक ईडी हिरासत में भेज दिया है।

ईडी द्वारा इस मामले में यह 17वीं गिरफ्तारी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद पर मुस्लिम पक्ष को झटका

-मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती

नई दिल्ली,(ईएमएस)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह के बीच भूमि विवाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए ट्रांसफर करने के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज यानी सोमवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू पक्ष को राहत दी तो वहीं मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की कमिटी की याचिका पर नोटिस जारी कर संबंधित पक्षों को जवाब देने को कहा।

शाही ईदगाह मस्जिद कमिटी ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने निचली अदालत में इस मामले से संबंधित 15 मुकदमों का ट्रांसफर स्वयं के समक्ष करने को लेकर सुनवाई शुरू की। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की मांग को खारिज करते हुए कहा कि हाईकोर्ट में सुनवाई चलती रहेगी।

मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने इस विवाद से जुड़े 15 मुकदमों को एक साथ जोड़कर सुनवाई करने का फैसला लिया गया था। हाईकोर्ट का कहना था कि ये सभी मुकदमे एक ही तरह के हैं, और इन मामलों में एक ही तरह के सबूतों के आधार पर फैसला होना है। कोर्ट का समय बचाने के लिए इन सभी मुकदमों पर एक साथ सुनवाई हो।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को निर्देश दिया था कि हिंदू वादी द्वारा दायर आवेदन पर 15 मुकदमों को समाहित कर दिया जाए। हिंदू पक्ष ने उच्च न्यायालय में अपने आवेदन में कहा था कि दीवानी न्यायाधीश मथुरा के सामने 25 सितंबर, 2020 को दायर मूल मुकदमे और 13.37 एकड़ जमीन से संबंधित अन्य मुकदमों को समाहित कर दिया जाए।

रामलला रामनवमी पर 20 घंटे दर्शन देंगे

अयोध्या (ईएमएस)। अयोध्या में रामनवमी के दिन रामलला का दरबार श्रद्धालुओं के लिए 20 घंटे खुला रहेगा। मंगला आरती के बाद ब्रह्म मुहूर्त में 3:30 बजे से रामलला के दर्शन शुरू होंगे। श्रद्धालुओं को रात 11 बजे तक मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा। दर्शन के बीच रामलला का अभिषेक और श्रृंगार भी चलता रहेगा। इस दिन करीब 15 लाख श्रद्धालुओं के देश-विदेश से अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रामलला की श्रृंगार आरती सुबह 5 बजे होगी। दर्शन और सभी पूजन पहले जैसा चलता रहेगा। भगवान को भोग लगाने के लिए समय-समय पर थोड़ी देर के लिए पर्दा लगाया जाएगा।

अन्य दिनों में श्रद्धालु राम मंदिर में सुबह 6:30 बजे से रात 9:30 बजे तक दर्शन करते हैं। रामनवमी के दिन राम मंदिर 5 घंटे ज्यादा खुला रहेगा। रामनवमी पर भीड़ उमडऩे के कारण 16 से 19 अप्रैल तक सुगम दर्शन पास, वीआईपी दर्शन पास, मंगला आरती पास, श्रृंगार आरती पास, शयन आरती पास नहीं बनेंगे। यानी चार दिन किसी भी तरह के पास जारी नहीं किए जाएंगे। 16 से 19 अप्रैल तक सभी विशेष/ वीआईपी सुविधाएं निरस्त रहेंगीं। ऑनलाइन बुकिंग भी नहीं होगी। पहले से बने पास निरस्त किए जा रहे हैं।

कुमारस्वामी के इस बयान से खफा हुई कांग्रेस, गिरफ्तारी की मांग करते हुए खटखटाया चुनाव आयोग का दरवाजा

बंगलुरू। लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। कांग्रेस ने आयोग से जद(एस) नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस जेडीएस कर्नाटक अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी की टिप्पणी से खफा है। दरअसल, शनिवार को तुमकुरु में एक रोड शो उन्होंने कहा था कि कांग्रेस की पांच गारंटी योजनाओं के कारण ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं रास्ता भटक गई हैं।

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में केपीसीसी ने आरोप लगाया कि कुमारस्वामी का यह बयान ग्रामीण महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। कुमारस्वामी ने सभी 28 संसदीय क्षेत्रों के पुरुष मतदाताओं को लुभाने के लिए यह बयान दिया था। पत्र में केपीसीसी ने आगे कहा कि कुमारस्वामी राज्य में भाजपा-जेडीएस की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। कांग्रेस की पांच गारंटियों से ग्रामीण महिलाएं काफी सशक्त हुई हैं और अधिकांश महिला मतदाता वोट देने में रुचि दिखा रही हैं। कुमारस्वामी का यह बयान आदर्श आचार सहिंता के प्रावधानों सहित अन्य अधिनियमों का स्पष्ट उल्लंघन करता है। केपीसीसी ने मांग की है कि आयोग उनके बयान पर संज्ञान ले और उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

कांग्रेस की शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए कुमारस्वामी ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनकी टिप्पणियों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, कुमारस्वामी ने कांग्रेस नेताओं द्वारा महिलाओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मैंने उस दिन महिलाओं को मां कहकर संबोधित किया था। बावजूद इसके अगर मेरे किसी बयान से मेरी माताओं को ठेस पहुंची है तो मैं राज्य की सभी महिलाओं के प्रति खेद व्यक्त करता हूं।

बंदूकधारियों ने बस से उतारा नौ पंजाबियों को मारी गोली

-बलूच उग्रवादियों ने ली हत्या की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान में बलूच, पख्तून और मुहाजिरों की पहचान के आंदोलन लंबे समय से चलते रहे हैं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 11 लोगों को मौत के घाट उतार दिया, जो मूलतः पाकिस्तानी पंजाबी के थे। बलूच उग्रवादियों ने अलग-अलग हमलों में 11 लोगों की हत्या की जिम्मेदारी ली है।

बांग्ला भाषा और पहचान के नाम पर पाकिस्तान 1971 में एक विभाजन झेल चुका है। इसके बाद भी वहां अलगाववाद थम नहीं रहा तो उसकी वजह यह है कि पाकिस्तान में पंजाब सूबे का प्रभुत्व सबसे ज्यादा है। पाकिस्तानी सेना से लेकर सत्ता तक में पंजाबियों का दबदबा है। ऐसे में कई जगहों पर पंजाबी विरोध हिंसक रूप लेता जा रहा है।

पंजाब प्रांत के रहने वाले नौ युवकों को शनिवार को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी इलाके में बंदूकधारियों ने एक बस से नीचे उतारा और उनकी पंजाबी होने की पहचान के बाद उनकी बंदूकधारियों ने गोलीकर हत्या कर दी और उनके शवों को पुल के नीचे फेंक दिया। वहीं एक अलग घटना में उसी राजमार्ग पर दो लोगों की मौत हो गई, जब बंदूकधारियों ने उनकी कार पर गोलीबारी की। पाकिस्तानी अखबार के अनुसार प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हत्याओं की जिम्मेदारी ली है। खबर में बताया गया है कि पंजाब प्रांत के यी नौ लोग ईरान जा रहे थे, जहां से वे तुर्किये के रास्ते यूरोप में जाने वाले थे, लेकिन उन्हें रास्ते में उतार कर मौत के घाट उतार दिया।

इस घटना के बाद पाकिस्तान सरकार ने उग्रवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई बात कही है। बलूच राष्ट्रवादी अकसर पंजाब के लोगों के खिलाफ हिंसा की ऐसी वारदातों को अंजाम देते रहते हैं। उनका आरोप है कि बलूचिस्तान की खनिज संपदा का दोहन करने में पंजाब प्रांत के लोग शामिल हैं। यही नहीं बलूचिस्तान में उन चीनी नागरिकों को भी निशाना बनाया जा रहा है, जो वहां चल रही परियोजनाओं में काम कर रहे हैं।

बता दें पख्तून मानते रहे हैं कि उनकी पहचान 5000 साल पुरानी है और वे इस्लाम एवं पाकिस्तान से भी पुरानी सभ्यता वाले हैं। यही वजह है कि अफगानिस्तान से लेकर खैबर पख्तूनख्वा तक को वे एक यूनिट मानते हैं और पाकिस्तान की सीमा को भी खारिज करते रहे हैं। बीते 6 महीने से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चमन बॉर्डर पर हजारों पख्तूनों का आंदोलन इसकी बानगी है। वहीं बलूचों का मानना है उन्हें पाकिस्तान में शामिल करा गलत किया गया और उनके संसाधनों का दोहन तो हो रहा है, लेकिन सत्ता में भागीदारी उनकी ना के समान है। गौरतलब है कि 1947 में भारत विभाजन के बाद पाकिस्तान जब अस्तित्व में आया था तो बलूचिस्तान के एक शासक कलात खान उसमें विलय के पक्ष में नहीं थे। इस पर मोहम्मद अली जिन्ना ने वादा भी किया था कि वह सबकी राय लेंगे। अंत में सेना के जोर पर उसका विलय कर दिया गया। वह विलय तो हो गया, लेकिन बलूचों में आज भी पाकिस्तान को लेकर गुस्सा है और पंजाबी प्रभुत्व से एक वर्ग में गहरी नफरत है।

अफगानिस्तान में अचानक बाढ़ आने से 33 लोगों की मौत

काबुल,(ईएमएस)। भारी बारिश के चलते अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ के कारण तीन दिन में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई और 27 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। प्राकृतिक आपदा प्रबंधन मंत्रालय के लिए तालिबानी प्रवक्ता अब्दुल्ला जनान सैक ने बाढ़ संबंधी जानकारी देते हुए बताया, कि राजधानी काबुल और कई प्रांतों में अचानक बाढ़ आ गई है। बाढ़ के कारण 600 से अधिक मकान नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए जबकि करीब 200 मवेशियों की मौत हो गई है। बाढ़ से 800 हेक्टेयर कृषि भूमि भी नष्ट हो गई है। उन्होंने बताया कि अचानक बाढ़ से 85 किलोमीटर से अधिक का सड़क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया है। बाढ़ से पश्चिमी फराह, हेरात, दक्षिणी जाबुल और कंधार प्रांतों में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से अधिकांश में आने वाले दिनों में और बारिश होने का अनुमान जताया है।

17 भारतीय चालकों को रिहा करने का ईरान ने भारत को दिया आश्वासन

- ईरानी सेना ने इजराइली कारोबारी के मालवाहक जहाज को कब्जे में कर लिया था

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ईरान-इजराइल में भारी तनाव के बीच मालवाहक जहाज में चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों को सही सलामत भारत लाने करने के लिए लगातार ईरान से बातचीत की जा रही है। अब ईरान ने कहा है कि भारतीय प्रतिनिधियों को जल्द ही 'एमएससी एरीज' के भारतीय चालक दल के सदस्यों से मिलने की अनुमति दी जाएगी। ईरान ने यह आश्वासन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से हुई बातचीत के बाद दिया।

जानकारी के अनुसार भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी बातचीत के दौरान ईरान द्वारा हिरासत में लिए गए एमएससी एरीज जहाज पर 17 भारतीयों का मुद्दा उठाया। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास शनिवार को ईरानी सेना ने एक इजराइली कारोबारी के मालवाहक जहाज को अपने कब्जे में कर लिया था, जिसमें 17 भारतीय नागरिक भी सवार हैं, जिन्हें रिहा कराने के लिए ईरान से लगातार बातचीत की जा रही है।

दरअसल, इजरायल और ईरान के बीच जारी भारी तनाव या कहे जंग के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने रविवार को दोनों देशों के समकक्षों से बात की। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि इजरायली-संबद्ध कंटेनर जहाज पर 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों की रिहाई के लिए ईरान से बात की थी। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'आज शाम ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन से बात की और एमएससी एरीज के 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों की रिहाई का मुद्दा उठाया साथ ही क्षेत्र के मौजूदा हालात पर चर्चा की। तनाव बढ़ने से बचने, संयम बरतने और कूटनीति की ओर लौटने के महत्व पर जोर दिया।

बता दें कि आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत ने अपने नागरिकों की रिहाई के लिए राजनयिक माध्यमों से तेहरान और नई दिल्ली, दोनों स्थानों पर ईरानी अधिकारियों के सामने यह विषय उठाया है। सीरिया में 12 दिन पहले ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले के जवाब में इजराइली क्षेत्र पर ईरान के हमला करने की आशंका बढ़ने के बीच यह घटना हुई।

अमेरिकी राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ने कहा कि जहाज के चालक दल में भारतीय, फिलीपीन, पाकिस्तानी, रूसी और एस्टोनियाई नागरिक शामिल हैं। ईरान की समाचार एजेंसी के अनुसार, पुर्तगाल के ध्वज वाले जहाज का संचालन जोडियाक मेरीटाइम शिपिंग कंपनी कर रही है, जिसका मालिक इजराइली कारोबारी है। खबर है कि इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर के विशेष नौसेना बलों ने शनिवार को हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास एमसीएस एरीज नाम के जहाज को जब्त कर लिया और वे इसे ईरान की ओर ले जा रहे हैं।

जन हितैषी

लोकतंत्र में मुल्क के असली मालिक हाशिये पर क्यों

हिंदुस्तान को आजादी के साथ लोकतंत्र रुपी खूबसूरत शासन-प्रणाली मिली। इसी के साथ ही देश की दशा और दिशा तय करने वाले तत्कालीन जिम्मेदारों ने लोकतंत्र को मजबूत करने अहद लिया। उत्तम नियम और कानून बनाए, ताकि आने वाली पीढ़ी उस पर अमल कर लोकतंत्र को मजबूत कर सके। यह वही लोकतंत्र है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने परिभाषित करते हुए कहा था, लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए चलाया जाने वाला शासन का नाम है। इससे स्पष्ट हो जाना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता-जनार्दन ही देश की सर्वेसर्वा है। सरकार तो उसकी सेवक होती है और उसे यह कभी भी गलतफहमी नहीं पालना चाहिए कि वह देश की असली मालिक है। जनता जिससे चाहेगी सरकार का काम ले लेगी। अब जबकि जनता अपनी सरकार खुद चुनती है तो फिर यह कैसे संभव हो सकता है कि वह देश और अपनी भलाई को भूल चंद लोंगों के भले की बात करे और उसी आधार पर सरकार को चुने। यदि ऐसा नहीं है तो फिर क्या कारण है कि आजादी के सात दशक गुजर जाने के बाद भी देश की अधिकांश जनता अपनी स्थिति सुधारने में नाकाम साबित हुई है। आज भी देश में बहुसंख्यक पीड़ित जनता अपने हक और हुकूक की खातिर सड़कों पर उतरती नजर आ जाती है और फिर उसी जनता को उसी का अपना शासन चोर साबित करने में लग जाता है। यहां तक कि तरह-तरह से प्रताड़ित कर उसे जेल भेजे जाने का भी उपक्रम किया जाता है। बावजूद इसके हम कह सकते हैं कि देश में लोकतंत्र मजबूत हुआ है और आगे, और भी ज्यादा मजबूत होने जा रहा है।

दरअसल वर्तमान में यह अकाटय सत्य की तरह उजागर हो गया है कि प्रत्येक राष्ट्र चाहे वह उदारवादी हो, समाजवादी हो, साम्यवादी हो या अधिनायकवादी हो जिसे सेना द्वारा ही क्यों न शासित किया जा रहा हो, वह अपने आप को लोकतान्त्रिक देश ही कहता और कहलवाने में रुचि रखता है। इस स्थिति में कहना गलत न होगा कि आज के इस कलयुग में लोकतान्त्रिक होने का दावा करना एक शगल अर्थात फैशन सा बन गया है। यह सब इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि भारत में लोकतांत्रिक आधार पर लोकसभा चुनाव 2024 का आगाज हो चुका है और नई सरकार चुनने के लिए 19 अप्रैल को पहला मतदान होने जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने वालों को एकबारगी जरुर सोचना होगा कि यह वह दान है जिससे आप अपने देश का और अपना खुद का भविष्य संवार सकते हैं, लेकिन इसके लिए जरुरी है कि अपने अंदर से मैं की भावना को बाहर निकालें और हम को स्थापित करें। अनेकता में एकता का मंत्र को झुठलाकर, तुकड़े-तुकड़े गैंग में जनता को बांटने वालों को जाने-पहचानें और उनसे सत्ता का काम लेना छोड़ें। यहां यह न भूलें कि देश सर्वोपरी है न कि आपकी रोजाना की जरुरतें, जिसके लालच में आप अपना मत कथित तौर पर बेंचने से भी गुरेज नहीं करते हैं। यह वही समय होता है जबकि आप खुद को लालची, चोर या फिर देश के सच्चे जिम्मेदार नागरिक साबित कर सकते हैं। अपने मत का उपयोग दान स्वरुप करें और याद रखें कि यह मत ही आने वाले समय में आपको अपनी सरकार देने वाला है। इसलिए देशहित में सोचें न कि समूहगत बहकावे में आएं। यह जान लें कि जो ताकत आपके पास है वह किसी सरकार के पास भी नहीं हो सकती है, इसलिए बिना भय के और बिना किसी लोभ-लालच के लोकतंत्र के इस महाकुंभ में हिस्सा लें।

इससे पहले कि समय और परिस्थिति के चलते लोकतंत्र की परिभाषाएं बदली जाएं और बदलने की आवश्यकता महसूस होने लग जाए, लोकतंत्र को बचाने की खातिर कंधे से कंधा मिलाकर आम चुनाव की प्रक्रिया को सफल बनाएं। ऐसा करके आप देश में असली लोकतंत्र को स्थापित करेंगे ही साथ ही देश व अपना खुद का भला भी करेंगे। क्योंकि लोकतांत्रिक सरकारें कभी भी किसी वर्ग, जाति, संप्रदाय या धर्म आधारित नहीं होतीं, जो होती हैं वो बिना किसी भेदभाव के सभी को साथ लेकर देश की तरक्की में बराबर का हिस्सेदार बनाती हैं। यह लोकतंत्र की खूबसूरती है, जिसे बनाए रखना मतदाता का कर्तव्य है। इसके बगैर हमारे लोकतांत्रिक देश का असली मालिक हाशिये पर है और आगे भी वह यहीं रहने वाला है। इसलिए चुनावी महासमर में आगे आएं और अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए देश को और लोकतंत्र को मजबूत करें। अंततः विश्व की परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं, ऐसे में देश में अन्य किसी तंत्र को हावी न होनें दें और यह तभी संभव होगा जबकि आप अपने मत का सही उपयोग कर अपनी खुद की ईमानदार और कर्मठ सरकार चुनने का काम करते हैं।

देश की रक्षा हेतु आवश्यक है परमाणु अस्त्र

देश की सुरक्षा सबसे पहले है क्योकि आज किसी देश पर हमला होता है जो किसी देश के भाग पर गलत तरीक़े से कब्ज़ा हो जाता है। क्योंकि यदि उसके पास परमाणु अस्त्र नहीं है तो दूसरा देश हमेशा कब्ज़ा करेगा। क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार है परमाणु अस्त्र के नष्ट करने के बारे में किसी भी नेताओं को सोचना नहीं चाहिए क्योंकि ऐ देश की एकता और ताकत देता है जैसे अगर आप किसी राह पर चल रहें हों और रात का समय हों तो आप अपनी रक्षा हेतु लाठी डंडा रखरखाव और अपने बचने के लिए करते है डंडा से सभी को पीटना मेटा उद्देश्य नहीं है लेकिन अगर मेंरी माँ बहने को छेरे तो पीटना आवश्यक है इसी तरह परमाणु हथियार है जो यदि क़ोई हमला करे तो डराया जा सके आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 79 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षोंच्या इससे भी अधिक रहता है लेकिन सभी देशों में एक सहमति नहीं बनी की सभी नस्ट करें ऐसे में हमारा परोसी देश आतंकवादी हमला और परमाणु बम छोड़ने की बात करता है। कहता है इधर चीन है तो दूसरा पाकिस्तान दोनों के पास भरपूर एटम बम है अतः भारत को भी अपनी संप्रभुता और अखंडता के लिए जरुरी है। जब भारत में अटलजी जैसा प्रधानमंत्री हुआ तो 11 मई 1998 को उन्होंने इतिहासिक फैसला लिया परमाणु परीक्षण को मंजूरी देने के लिए भारत की अमेरिका का आर्थिक प्रतिबन्ध भी और दिया लेकिन पहले है। कागजी को थे जमीन सुरक्षा अमल की बहुत कठिन होता होड़ में सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगातिशील,समृद्धशाली, समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गए हैं।अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान मैं भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है ईरान अब इजराइल में युद्ध की आहट सुनाई दें रही है क्योंकि दोनों राष्ट्र में परमाणु अस्त्र है ऐसे में परमाणु अस्त्र को नष्ट करने की सोचना भी नहीं चाहिए ऐ हमारी रक्षा हेतु अति आवश्यक है हैं।रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 2 साल व 3महीने से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा ऐ सीमा विवाद के कारण है चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्कता है हमारा भारत पर क़ोई आँख दिखाने की कोशिश तभी नहीं करेगा जब उसे मालूम होगा कि हमें भी अपनी सुरक्षा करने की आवश्यकता है उक्रेन के पास परमाणु हथियार जब तक थे उससे पंगा मोल लेने के लिए क़ोई सोचा भी होगा तो कर नहीं सका होगा लेकिन यूएस के कहने पर जैसे ही परमाणु अस्त्र नष्ट किया बाद मे हमला हो रहा है और हथियार के लिए दूसरे देश पर निर्भर होना पर रहा है नुकसान दोनों को हों रहा है भारत ने किसी का समर्थन ना कर उचित कदम उठाया है ऐसा इसलिए की हमारे वैज्ञानिक ने इतिहास रचा परमाणु इसके स्व स्व कलाम साहब ने अतुलनीय योगदान किया और देश की ताकत बेतहाशा बढ़ि सभी देशों मे डंका बजा और राष्ट्र एकजुट हुआ था उस वक्त उसी का देखा देखी कर पाकिस्तान ने बड़ी भारी कर्ज लेकर मामूली सा परमाणु परीक्षण किया तो बाद मे कर्ज का भार बढ़ते बढ़ते आज खाने के लाले पड़ रहें हैं अतः इसपर राजनीती करना बिलकुल सही नहीं है यदि किसी विपक्ष ने मैंनोफेस्टो मे डाला है तो ये बिलकुल देश हित मे नहीं है जैसा की प्रधानमंत्री जी के किसी भाषण में जिक्र किया है ऐ सही थे अतः हमें इसमें बिलकुल राजनीति करना उचित नहीं है नहीं तो फिर परोसी दो देश केवल आंखे दिखा रहा है वो हमला भी कर सकता है आप जरा सोचिये बैंक की सुरक्षा हेतु गार्ड मशीनगन लेकर खड़ा रहता है लेकिन कभी किसी पर गोली नहीं चलाता है लेकिन यदि किसी ने लूटने की कोशिश की तो सुरक्षा हेतु चलाना होता है.भगवान राम ने आखिर रावण से युद्ध क्यों किया अपने लिए नहीं माँ सीता की रक्षा हेतु अतः जब युद्ध होता है तो सबसे बड़ा नारी सुरक्षीत नहीं रहती है इसलिए गुरुगोविंद सिंहजी ने नारी की रक्षा हेतु शांति के साथ साथ तलवार भी देश की रक्षा के लिए उठाई जो पूज्यनीय है देश सर्वोपरि है और नारी सहित सभी की सुरक्षा हेतु परमाणु अस्त्र भी उतना ही जरूरी है मानवता की भलाई हेतु परमाणु अस्त्रों पर अंकुश लगाना जरुरी है लेकिन जब सभी राष्ट्र सही में नष्ट करें तभी नहीं तो परमाणु अस्त्र बहुत जरुरी है जिसे वैज्ञानिकों ने अपने पसीने से सींचा है नव भारत की रक्षा हेतु इस बात की आवश्यकता है कि उचित निदान द्वारा विश्वजनित मतभेदों को भुलाकर अशांति का माहौल खत्म किया जाए। अतः परमाणु निःशस्त्रीकरण क़ोई सही कदम नहीं है नहीं तो दूसरा देश मौके का फायदा उठा लेगा और युद्ध में कोई किसी की सुरक्षा की गारंटी नहीं लें सकता है.अतः देशहित में शांति और क्रांति दोनों जरुरी है.निःशस्त्रीकरण' का शाब्दिक अर्थ है-घातक हथियारों पर नियंत्रण रखना और शस्त्रों की बढ़ती संख्या को रोकना ना की नष्ट करना अपनी रक्षा हेतु परमाणु अस्त्र अति आवश्यक है। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

क्या यह सभी टुकड़े टुकड़े गैंग के राष्ट्र विरोधी व राम द्रोही हैं ?

18 वीं लोकसभा के लिये होने जा रहे आम चुनावों में सभी राजनैतिक दल चुनाव प्रचार में कूद पड़े हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी व उसके सहयोगी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन डी ए) को जहाँ अपने दस वर्ष के शासनकाल के दौरान उपजी सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है वहीँ विपक्ष भी इस बार एकजुट होकर छ्उर्ई नामक गठबंधन बनाकर भाजपा का मुक़ाबला करते हुए देश की अधिकांश लोकसभा सीटों पर भाजपा व उसके सहयोगी एन डी ए घटक दलों के एक उम्मीदवार के सामने छ्उर्ई गठबंधन का भी एक ही उम्मीदवार चुनौती दे रहा है। यानी स्थिति कुछ 1977 के चुनाव जैसी दिखाई दे रही है। भाजपा चूंकि अपने संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ बहुसंख्यकवादी राजनीति करते हुये अपने दूरगामी हिंदूवादी एजेंडे पर काम कर रही है इसलिये वह किसी भी सूरत में सत्ता से हटना नहीं चाहती। इससे निपटने के लिये नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ऐसे अनेक हथकंडे अपना रही है जो भारतीय राजनीति के इतिहास में यहाँ तक कि आपातकाल के उस दौर में भी नहीं देखे गये जिसे कांग्रेस की तानाशाही का दौर कहा जाता था। भाजपा सरकार अपने विपक्षी नेताओं व विरोधी दलों को राजनैतिक प्रतिद्वंदी समझने के बजाय उनके साथ व्यक्तिगत दुश्मन जैसा बर्ताव कर रही है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के अनेक नेताओं को यहाँ तक कि अनेक भ्रष्ट नेताओं को प्रवर्तन निदेशालय ई डी,सी बी आई या इनकम टैक्स का भय दिखाकर तो किसी को कथित तौर पर धन या पद की लालच देकर अपनी पार्टी में शामिल किया जा रहा है। जो नेता इनके इस जाल में नहीं फंसता उसे किसी न किसी बहाने जेल भेजा जा रहा है। कई विपक्षी पार्टियों में फूट डलवाई जा रही है। और इन सबके बावजूद भी जो इनके पक्ष में नहीं आता उसे तरह तरह की संज्ञाओं से नवाज़ा जा रहा है। किसी को राष्ट्रविरोधी बताया जाता है तो किसी को राम विरोधी। कोई टुकड़े टुकड़े गैंग का सदस्य तो कोई पाकिस्तान परस्त। कोई भ्रष्ट तो कोई परिवारवादी। कोई हिन्दू विरोधी तो कोई अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करने वाला। कोई ख़ालिस्तानी तो कोई रेवड़ी बाँटने वाला। यहाँ तक कि भाजपा नेता विशेषकर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोकि कभी अपनी छाती 56 इंच की बताते हैं वही मोदी भावनात्मक कार्ड खेलने से भी नहीं चूकते। भाजपा नेता कभी गाँधी-नेहरू का अपमान करते हैं तो कभी गोडसे-सावरकर का महिमामंडन करते हैं और कभी संविधान बदलने की बात करते हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि विपक्षी दलों के नेताओं को जिन विशेषणों से प्रधानमंत्री व उनकी पार्टी के तमाम नेता नवाज़ते रहते हैं और स्वयं को ही भारतीय राजनीति का अब तक का सर्वश्रेष्ठ राजनीतिज्ञ बताने की कोशिश करते हैं तो क्या उनका विरोध केवल कांग्रेस या छ्उर्ई गठबंधन के ही नेता करते हैं या करते रहे हैं ?

किसी ज़माने में वरिष्ठ अधिवक्ता स्व0 राम जेठमलानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे। जेठमलानी मोदी के इतने बड़े समर्थक थे कि 2015 में उन्होंने नरेंद्र मोदी को विष्णु का अवतार तक बता डाला था। जेठमलानी को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी काले धन की वापसी करेंगे। वह सैनिकों को वन रैंक, वन पेंशन देंगे। भ्रष्टाचार और विदेश नीति पर अच्छा काम करेंगे। परन्तु जल्द ही जेठमलानी को मोदी की राजनीति की सच्चाई का पता चल गया। आख़िरकार उनको कहना पड़ा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने की मांग का समर्थन करना उनकी सबसे बड़ी नासमझी थी। उन्होंने खुद को इसके लिए गुनहगार और ठगा हुआ बताया था। उन्होंने यह कहना भी शुरू कर दिया था कि प्रधानमंत्री की बातों का भरोसा ना करें। आख़िरकार 9 जून 2015 को राम जेठमलानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को तोड़ने की घोषणा भी कर दी थी। इसके बाद कई मामलों वे खुलकर मोदी व उनकी सरकार के ग़लत फ़ैसलों के विरुद्ध अदालत में भी पेश हुये।

उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के ही यशवंत सिन्हा,सुब्रमण्यम स्वामी व शत्रुघ्न सिन्हा जैसे वरिष्ठ नेताओं व पूर्व केंद्रीय मंत्रियों ने नरेंद्र मोदी की अनेक ग़लत नीतियों का खुलकर विरोध करना शुरू कर दिया। यशवंत सिन्हा व शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नेता तो पार्टी छोड़कर भी चले गये परन्तु मोदी हमेशा इसी ग़लत फ़हमी का शिकार रहे कि उनसे अच्छी राजनीति की समझ कोई भी नहीं रखता। इस आशय की स्वप्रशंसा वाली कई बातें स्वयं मोदी संसद से लेकर जनसभाओं तक में कहते भी रहते हैं। सुब्रमण्यम स्वामी तो अभी भी भाजपा में ही रहकर मोदी व उनकी सरकार को आईना दिखते रहते हैं। ख़ासकर वित्तीय व विदेश नीति को लेकर और अति विशेष रूप से चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र पर किये गये हालिया अतिक्रमण को लेकर। उसके बाद भाजपा के ही सांसद वरुण गांधी और भाजपा नेता व पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक के बयानों को सुन लीजिए। किसान विरोधी नीतियों को लेकर इन भाजपा नेताओं ने अक्सर प्रधानमंत्री मोदी को खरी खोटी सुनाई। वरुण गांधी ने किसानों व बेरोज़गारी व मंहगाई के मुद्दे उठाये। जनसमस्याओं से जुड़ी आवाज़ें बुलंद कीं। तो पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक ने संघ के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने से लेकर पुलवामा में हुये चालीस भारतीय जवानों की शहादत जैसे अति गंभीर विषय पर मोदी को कटघरे में खड़ा किया। परन्तु इसके जवाब में भाजपा ने वरुण गांधी को लोकसभा का प्रत्याशी नहीं बनाया तो सतपाल मलिक के राज्यपाल का कार्यकाल नहीं बढ़ाया। उल्टे सतपाल मलिक से सम्बंधित 29 ठिकानों पर सी बी आई के छापे ज़रूर मारे गये।

और अब इन्हीं लोकसभा चुनावों के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति प्रसिद्ध अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर के बयानों से पूरे देश में सनसनी फैली हुई है। उन्होंने दावा किया है कि अगर बीजेपी को इस बार भी लोकसभा चुनाव में जीत मिलती है तो देश में दोबारा चुनाव नहीं होंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि मणिपुर जैसी स्थिति पूरे देश में पैदा हो सकती है।अर्थशास्त्री प्रभाकर के अनुसार 2024 में अगर फिर से मोदी प्रधानमंत्री बने और यह सरकार वापस आई तो देश में फिर कभी भी चुनाव नहीं होंगे। देश का संविधान बदल जाएगा। मोदी ख़ुद ही लाल क़िले से नफ़रती भाषण देंगे और लद्दाख-मणिपुर जैसी स्थिति पूरे देश में बन जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी है कि अभी आपके पास जो देश का संविधान और नक़्शा है, यह पूरी तरह से बदल जाएगा। आप इसे पहचान भी नहीं पाएंगे। अभी आपको पाकिस्तान भेजने, इसे मारने या भगाने की बातें जो धर्म संसद जैसी जगहों से सुनाई दे रही हैं, वो बातें आप लाल क़िले से सुनेंगे। इस तरह की बातों को लेकर एकदम खुला खेल होगा। यही सबसे बड़ा ख़तरा है। अर्थशास्त्री प्रभाकर के अनुसार अभी आपको लग रहा है कि हिंसा मणिपुर में हो रही है, इसलिए हमारे यहां होने की कोई संभावना नहीं है? ऐसा आपको सोचने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि जो आज मणिपुर में हो रहा है, वो कल को आपके या हमारे राज्य में भी हो सकता है। अभी लद्दाख़, मणिपुर में जैसे हालात हैं या फिर किसानों के साथ जैसा व्यवहार हुआ है, वैसा पूरे देश में हो जाएगा। निर्मला सीतारमण के इन्हीं अर्थशास्त्री पति ने मोदी सरकार पर कोरोना काल प्रबंधन को लेकर भी बड़ा हमला बोलते हुये कहा था कि उस समय भी मोदी सरकार लोगों को कोरोना से बचाने के उपाय करने के बजाय हेडलाइन मैनजमेंट में लगी हुई थी। सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कटघरे में खड़ा करने और उनसे सवाल करने वाले उपरोक्त सभी लोग भी क्या टुकड़े टुकड़े गैंग के सदस्य हैं? क्या यह सब भी पाक परस्त,भ्रष्ट ,राष्ट्र विरोधी व राम द्रोही हैं ? (लेखक - तनवीर जाफ़री/ईएमएस)

स्वर्ग नहीं बनता सियासी घोषणा पत्रों से.....

अठारहवीं लोकसभा केलिए मतदान से पांच दिन पहले आखिरकार भाजपा का भी चुनावी घोषणा पत्र भी आ गया। कांग्रेस, सपा,राजद और बसपा के अलावा दीगर राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणा पत्र पहले ही आ चुके है । फिलहाल हर दल अपने चुनावी घोषणा पत्र को सर्वश्रेष्ठ बता रहा है,लेकिन जनता के लिए इसमें से सर्वश्रेष्ठ चुनना आसान नहीं है ,क्योंकि हर दल का चुनावी घोषणा पत्र स्वर्ग को जमीन पर उतार लाने की बात करता है। आजतक किसी भी राजनीतिक दल ने जिस चुनावी घोषणा पत्र के आधार पर वोट मांगे उसे पूरा नहीं किया। ये ाक्ष कुसुम ही साबित हुए।

दुर्भाग्य से देश में चुनाव घोषणा पत्रों का इतिहास नहीं लिखा गया । लिखा इसलिए नहीं गया क्योंकि सब इसे झूठ का पुलिंदा मानते आये । वैसे ये एक दिलचस्प विषय हो सकता है। ये जानने की बहुत जरूरत है कि 1952 से लेकर 2024 तक 72 साल में इन चुनावी घोषणा पत्रों पर किस पार्टी ने कितना अमल किया और किसने नहीं ? कम से कम बारह लोकसभा चुनावों के घोषणा पत्र तो मेरी स्मृति में हैं। सवाल ये है कि क्या राजनीतिक पार्टियों के घोषणा-पत्र चुनाव के पहले, उसके दौरान और उसके बाद कोई सार्थक भूमिका निभाते हैं ? क्या वे लोगों को पेश किए जाने वाले पार्टी के विचारों, नजरिए और कार्यक्रमों का शक्तिशाली प्रतीक होते हैं या केवल सांकेतिक भर होते हैं ? अधिकांश मतदाता मतदान करने से पहले घोषणा-पत्र पढ़ने की जरूरत ही नहीं समझते । देश में ज्यादातर घोषणा-पत्रों को कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है। मजे की बात ये है कि कचरा होने के बावजूद घोषणा-पत्र पार्टियों की भावी योजना, मुख्य मुद्दों पर कार्यक्रमों और वैचारिक नजरिए को उजागर करने के लिए एक महत्वपूर्ण चोचला बने हुए हैं , हाल के दिनों में भाजपा ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग से प्रभावित घोषणा पत्र बताया तो भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर कमोवेश ऐसी ही टिपण्णियां की जा रहीं है। कुछ तो भाजपा के घोषणा पत्र से बेहतर घोषणा पत्र राष्ट्रीय जनता दल के घोषणा पत्र को बता रहे हैं।

एक अच्छी बात ये है कि इस रूखे यानि शुष्क विषय पर सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च ने अध्ययन का एक तरीका निकाला है, जिसमें कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी (सीपीआई-एम) के 1952 से लोकसभा चुनावों के घोषणा पत्रों का जायजा लिया गया। अध्ययन में 1980 के पहले बीजेपी के बदले भारतीय जनसंघ और 1971 के पहले सीपीआई-एम के बदले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के घोषणा-पत्रों पर गौर किया गया है। ये तीन पार्टियां भारतीय राजनीति की वैचारिक दायरे का प्रतिनिधित्व करती हैं और अध्ययन में उन मुद्दों के उभरने पर गौर किया गया, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए मायने रखते हैं।

इस अध्ययन में स्वतंत्र कोडिंग करने वालों और शोधकर्ताओं की एक बड़ी टीम 'शब्द गणना' के जरिए गणना योग्य पैमाने पर पहुंची है, यानी घोषणा-पत्र में किसी मुद्दे पर कितने शब्द लिखे गए हैं। इस मकसद से सात बड़े मुद्दों की पहचान की गई है। घोषणा पत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा, राजनीतिक काबिलियत, राजनीतिक तंत्र, सामाजिक तानाबाना, आर्थिक योजना, कल्याणकारी कार्यक्रम, और विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर तक को शामिल किया जाता रहा है। अब तो घोषणा पत्र गारंटी पत्र बन चुके है। सत्तारूढ़ भाजपा के साथ कांग्रेस ने भी मतदाताओं को गारंटियां दी है। लेकिन किसी भी दल की गारंटी किसी क़ानून के दायरे में नहीं आती । भाजपा की गारंटी भाजपा की नहीं मोदी की गारंटी है,ऐसे ही कांग्रेस की गारंटी राहुल की नहीं कांग्रेस की गारंटी है। एक गारंटी पर व्यक्ति का नाम है तो एक पर पार्टी का।

आपको बता दूँ कि 1952 से घोषणा-पत्रों का अध्ययन देश के पहले चुनाव से राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के ढांचे में आए गहरे बदलावों की भी मोटी तस्वीर पेश करता है। चुनाव घोषणा-पत्र भले भुलाए जा सकते हैं, मगर वे अपनी ऐतिहासिक छाप छोड़ जाते हैं। घोषणा पत्रों के विश्लेषण से पता चलता है की तीनों राजनीतिक संगठनों के सभी घोषणा-पत्रों में आर्थिक योजना, कल्याणकारी कार्यक्रमों और विकास व इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी महत्व दिया है। तीनों के घोषणा-पत्रों में इन तीनों विषयों पर में कुल 55 फीसदी शब्द लिखे गए। हालांकि बाद के दशकों में इसके संदर्भ बदल गए। आजादी के बाद के पहले चार दशकों में आर्थिक योजना के सोशलिस्ट मॉडल पर जोर रहा जबकि निजी क्षेत्र की पैरोकार इकलौती भाजपा रही है। वर्ष 1991 में विश्वव्यापी आर्थिक उदारीकरण से सभी घोषणा-पत्रों में इस वर्ग में मुद्दों की प्रकृति बदल गई।

मजे की बात ये है कि सभी पार्टियों ने ग्रामीण भारत के प्रति प्रतिबद्धता के नारे तो उछाले, लेकिन विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर के वर्ग में ग्रामीण विकास पर फोकस 1952 में 42 फीसदी से 2019 में गिरकर 5.6 फीसदी पर आ गया। यही वजह है कि आज जब भाजपा का चुनाव घोषणा पत्र जारी हुआ है तब भी देश के किसान दिल्ली की सीमा पर आंदोलन कर रहे हैं। भाजपा का फोकस किसान से ज्यादा कारपोरेट पर है ,लेकिन मतदाता के लिए ये समझ पाना दूर कि कौड़ी है।पिछले एक दशक में इस देश में सबसे ज्यादा फायदा कारपोरेट का हुआ ,किसान का नहीं।

आज के चुनाव घोषणा पत्रों के विषय और शब्दावली दोनों बदल गए है। पहले चुनाव घोषणा पत्रों में आतंकवाद,मंदिर,एक निशान,एक विधान ,सीआईए एनआरसी ,जातीय जन गणना जैसे विषय नहीं होते थी । सुरक्षा,विदेशनीति जरूर होती थी। अब पहली बार डिग्निटी और क्वालिटीजैसे शब्द भी चुनाव घोषणा पत्रों का हिस्सा बने हैं। इन चुनावी घोषणापत्रों का अन्य उत्पादों के साथ मिलने वाली गारंटी जैसा कोई वैधानिक स्वरूप नहीं है। यदि इन घोषणा पत्रों को भी कानूनी रूप दिया जाये और इनका पालन न करने पर जनता कि और से जनप्रतिनिधियों को वापस बुलाने जैसी कोई व्यवस्था हो तब तो कोई बात है ,अन्यथा ये चुनावी घोषणा पत्र आकाश कुसुम बनकर रह जायेंगे। अभी तक तो बने ही हुए हैं। (लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7978

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -7977 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

कमजोर गेंदबाजी के कारण आईपीएल में असफल हो रही मुम्बई इंडियंस : लारा

मुंबई (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा है कि कमजोर गेंदबाजी के कारण मुम्बई इंडियंस टीम आईपीएल में विफल हो रही है। इसलिए उसे इस क्षेत्र में काफी सुधार करना होगा। लारा ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को छोड़ दें तो अन्य गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं।

बुमराह ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चार ओवर में 27 रन दिये पर उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। ये गेंदबाजी भी उनके स्तर के गेंदबाज के अनुरुप नहीं कही जा सकती है। वहीं हार्दिक पंडया के पारी के अंतिम ओवर में महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के मारे।

लारा ने कहा, 'जब हम मुंबई इंडियंस को देखते हैं तो बहुत से लोग उन्हें प्रबल दावेदार मानते हैं। ये इसलिए कि वे इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने इस सत्र में 230 रन बनाए, उन्होंने 196 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया था। इसलिए हम उन्हें प्रबल दावेदार के रूप में चुनते हैं।

पर उनकी गेंदबाजी ठीक नहीं है। बुमराह के अलावा गेंदबाजी आक्रमण में कोई दम नहीं है। इस कारण बुमराह को किसी का साथ नहीं मिल रहा। यही कारण है कि सुपरकिंग्स के बल्लेबाज उनपर भारी पड़े। मुंबई इंडियन्स धीमे गेंदबाजों के खिलाफ आक्रमक खेलने वाले शिवम दुबे के कारण भी अपने स्पिनरों का इस्तेमाल नहीं कर पायी। ऐसे में अगर मुम्बई को जीत चाहिये तो उसे बेहतर गेंदबाज शामिल करने होंगे।

बीसीसीआई ने आईपीएल मैच के वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करने पर रोक लगायी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के लाइव मैच के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर रोक लगा दी है। बीसीसीआई ने ऐसा किसी भी प्रकार के विवाद को न होने देने के लिए किया है। टूर्नामेंट के दौरान वीडियो और तस्वीर पोस्ट करने से कभी-कभी विवाद भी पैदा हो जाते हैं। हाल ही में एक पूर्व बल्लेबाज ने आईपीएल मैच की कमेंट्री करते हुए अपनी तस्वीर खींची और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया जिसपर सवाल उठा गये थे।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके तुरंत बाद इस पूर्व बल्लेबाज को पोस्ट को हटाने का आदेश दिया गया। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने कमेंटेटर्स, खिलाड़ियों और टीमों कोआईपीएल मैच के दौरान फोटो, वीडियो बनाने या अपलोड न करने को कहा है। अगर इन नियमों का उल्लंघन करना है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी अधिकारियों ने यह भी कहा कि कुछ खिलाड़ियों ने हाल ही में मैच के दिनों की तस्वीरें शेयर की थी और इसके बाद उन्हें इन पोस्ट को डिलीट करने को कहा गया। यहां तक कि एक आईपीएल टीम ने मैच का लाइव वीडियो स्ट्रीम कर दिया था, जो कि नियमों के विपरीत है। इस कारण बीसीसीआई ने उस पर 9 लाख का जुर्माना लगाया था।

42 के धोनी की धमाकेदारी बल्लेबाजी को देखकर हैरान हुए पंडया

मुम्बई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एक बार फिर साबित किया है कि बढ़ती उम्र के बाद भी वह कितने फिट हैं। धोनी ने जिस प्रकार 42 साल की उम्र में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले के अंतिम ओवर में चार गेंदों पर तीन छक्के लगाये उससे गेंदबाजी कर रहे हार्दिक पंडया भी देखते रह गये।

आईपीएल के हर सीजन में धोनी के संन्यास की बातें होती हैं पर वह हार बार अपनी बल्लेबाजी से साबित करते हैं कि उनमें काफी क्रिकेट शेष है। इस सत्र में मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में भी कुछ ऐसा हुआ जिसके बाद उनके संन्यास की बातें एक सत्र और आगे बढ़ सकती हैं। आखिरी ओवर में धोनी ने 500 के स्ट्राइक रेट से रन मैदाना के सभी ओर छक्के लगाये। इससे सीएसके ने मुम्मई को उसके घरेलू मैदान में ही हरा दिया। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंडया के हाथों में गेंद थी और धोनी ने तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के मारे इसके बाद अंतिम गेंद पर 2 रन लिए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 4 गेंदों पर तीन लगातार छक्के और 2 रन लेकर 20 रन बनाए। मुंबई ने 6 विकेट पर 186 रन बनाए और सीएसके ने 20 रन से मैच जीता। वहीं अगर धोनी ने यह 20 रन नहीं बनाए होते तो परिणाम कुछ और होता।

रोहित टी20 में 500 छक्के लगाने वाले क्लब में शामिल हुए

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हुए मुकाबले में शतक के दौरान ही टी20 में अपने 500 छक्के पूरे किये। रोहित ने अपनी पारी में 3 छक्के लगाते ही ये उपलब्धि हासिल की। इसी के साथ ही रोहित टी20 में 500 छक्के लगाने वाले पहले एशियाई और विश्व के चौथे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले पुरुष टी20 क्रिकेट में 500 से अधिक छक्के चार बल्लेबाजों के नाम हैं वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 1056 , कीरोन पोलार्ड 860, आंद्रे रसेल 678, न्यूजीलैंड के कॉलिन मुनरो 548 छक्के ।

रोहित ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सभी ओर शॉट खेले। रोहित ने इस दौरान ट्वंटी 20 में 500 छक्के भी पूरे कर लिए। रोहित के इससे पहले आईपीएल में 271 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 190 छक्के थे। वहीं 36 छक्के उन्होंने घरेलू ट्वंटी 20 टूर्नामेंट में लगाये थे।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर है डच टीम के नाम:100 रनों के अंदर सिमटी हैं कई टीमें

नई दिल्ली (ईएमएस)। जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप 2024 की तैयारियों में सभी टीमें लगी हुई हैं। टी20 विश्व कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के अब तक के सफर में सबसे कम स्कोर पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड डच टीम नीदरलैंड के नाम दर्ज है। हैं। टी20 विश्व कप में अब तक कई टीमें 100 रनों के अंदर भी आउट हुई है। इसमें सबसे कम स्कोर नीदरलैंड का है। वह एक बार 10 ओवर में 79 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं इसमें भारतीय टीम का सबसे कम स्कोर 79 रन रहा है।

तब श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड की टीम 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। बांग्लादेश में हुए इस मैच में नीदरलैंड का केवल एक बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाया था जबकि 5 बल्लेबाज एक भी रन नहीं बना पाये थे। श्रीलंका ने तब 5 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया था। यह टी20 विश्व कप में किसी टीम का सबसे छोटा स्कोर है। वहीं दूसरा सबसे छोटा स्कोर भी डच टीम के नाम ही है. 2021 के टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने नीदरलैंड्स को 44 रनों पर आउट कर दिया था।

वहीं भारतीय क्रिकेट टीम को 2016 के टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने 79 रन पर ऑलआउट कर दिया था। तब नागपुर में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम 18.1 ओवर में 79 रन ही बन पायी थी। टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में नीदरलैंड पहले और दूसरे नंबर पर है जबकि 55 रन के साथ ही वेस्टइंडीज तीसरे जबकि 60 रन के साथ न्यूजीलैंड चौथे नंबर पर है. स्कॉटलैंड 60 रन के साथ पांचवें, आयरलैंड 68 रन के साथ छठे जबकि हांगकांग 69 रन के साथ सातवें और बांग्लादेश 70 रन के साथ ही आठवें नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम 13 वें नंबर पर है।

मयंक के पास है अच्छी गति और नियंत्रण : साउदी

मुम्बई (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक ने आईपीएल सत्र के अपने पहले ही मैच में सबसे तेज गेंद फेंकी थी। इस दौरान मयंक ने अपनी लाइन, लेंथ और स्पीड के कारण सभी का ध्यान खींचा था। इसी को लेकर मयंक की प्रशंसा करते हुए साउदी ने कहा है कि कई खिलाड़ियों के पास गति होती है पर नियंत्रण नहीं होता जबकि मयंक के पास दोनो ही हैं। साउदी ने कहा, मुझे लगता है कि उसकी गति के साथ उसमें जो चीज बहुत अच्छी लगती है। वह है उसका नियंत्रण। बहुत से खिलाड़ी जिनके पास इतनी तेज़ गति होती है अपने पर नियंत्रण नहीं कर पाते हैं पर मयंक के पास गति के साथ-साथ नियंत्रण भी है। मैं न केवल आईपीएल में, बल्कि उसके बाद भी उसे खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं।

मयंक अपने करियर के दौरान टखने और हैमस्ट्रिंग की चोटों से भी परेशान रहे थे। इसकी कारण वह पिछला सत्र नहीं खेल पाये थे। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ इस सत्र में अपना आईपीएल पदार्पण किया था और 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की थी।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और राजस्थान रॉयल्स में रोमांचक मुकाबला

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को यहां आईपीएल 2024 के एक अहम मुकाबले में आमन-सामने होंगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी मे केकेआर यहां अपने घरेलू मैदान पर रॉयल्स को हराकर लीग में नंबर एक पर पहुंचने के लिए पूरा जोर लगा देगी। वहीं संजू सैमसन की कप्तानी में अब तक शानदार प्रदर्शन करती आई रॉयल्स भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। रॉयल्स ने अब तक शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर अपना दबदबा बनाया है पर इस मैच में उसे केकेआर के सुनील नरेन से सतर्क रहना होगा।

नरेन ने अब तक अपनी गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया है। केकेआर ने जिस प्रकार से इस सत्र में प्रदर्शन किया है उससे वह खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल हो गयी है। तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले में अगर केकेआर जीत दर्ज करता है तो 10 लेकर टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगी।

केकेआर ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इस मैच में फिल सॉल्ट ने तेज अर्धशतक लगाया था पर इसके बाद भी जीत में नरेन की गेंदबाजी ने ही अहम भूमिका निभाई थी। नरेन के सामने लखनऊ की टीम सात विकेट पर 161 रन ही बना पायी थी। इस सत्र में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले रॉयल्स के संजू सैमसन, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर अब नरेन का सामना किस प्रकार करते हैं ये देखना होगा।

इस मैच में रॉयल्स के जोस बटलर का खेलना तय नहीं है। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। इस सत्र में नरेन ने केकेआर की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की है जिस पर राजस्थान के गेंदबाजों को रोक लगाना आसान नहीं रहेगा। उन्होंने अब तक 183.51 के स्ट्राइक रेट से 33 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। आईपीएल में सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क ने भी सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में लय हासिल करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट लिए थे। जिससे भी केकेआर की ताकत बढ़ेगी।

केकेआर की बड़ी परेशानी कप्तान श्रेयस का फार्म में नहीं होना है। लखनऊ के खिलाफ 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रेयस को तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं देखा गया। अब तक टीम की ओर से शीर्ष क्रम में सॉल्ट और नारायण ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। वहीं डेथ ओवरों में आंद्रे रसेल की गेंदबाजी से भी टीम हावी रही है।

टीम की चिंता रिंकू सिंह का लय में होना नहीं है। रिंकू ने अब तक केवल 3 रन ही बना पाए हैं। उप कप्तान नितीश राणा चोट के कारण नहीं खेल पा रहे। वहीं ट्रेंट बोल्ट, आवेश खान, युजवेंद्र चहल और केशव महाराज की मौजूदगी में रॉयल्स की गेंदबाजी धारदार है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच बेहद रोमांचक रहेगा क्योंकि सत्र की दो शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीमें आमने-सामने होंगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैंः

कोलकाता नाइट राइडर्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकिब हुसैन और मुजीब उर रहमान।

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, आवेश खान , रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, तनुष कोटियन और केशव महाराज।

वायनाड में रोड शोःराहुल गांधी ने कहा- वायनाड का हर एक शख्स मेरा परिवार है

वायनाड (ईएमएस)। केरल के वायनाड में राहुल गांधी ने रोड शो किया। रोड शो के दौरान उन्होंने कहा कि वायनाड के लोग हर बार मुझे जो प्यार और अपनापन देते हैं, उसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार हूं। वायनाड का हर एक शख्स मेरा परिवार है। राहुल ने कहा कि कई बार एक परिवार में भाई-बहनों के बीच कई मामलों में राय अलग होती है, लेकिन इसका ये मतलब नहीं होता है कि वे एक-दूसरे से प्यार नहीं करते, एक-दूसरे का सम्मान या परवाह नहीं करते। राजनीति का पहला कदम है एक-दूसरे का सम्मान करना।

राहुल ने कहा कि भाजपा और पाएम कहते हैं कि एक देश, एक भाषा, एक नेता होना चाहिए। वे हमारे देश को समझते ही नहीं हैं। भाषा कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे आप ऊपर से थोप सकते हैं। ये तो हर इंसान के दिल से निकलती है। ये आपको आपकी सभ्यता से जोड़ती है। ऐसा ही हमारे इतिहास, संस्कृति और धर्म के साथ भी है। भारत गुलदस्ते जैसा है और गुलदस्ते के हर फूल का सम्मान किया जाना चाहिए क्योंकि ये गुलदस्ते की खूबसूरती बढ़ाता है।

देश के युवा का अपमान

राहुल गांधी ने कहा कि ये आइडिया कि भारत में एक ही नेता होना चाहिए, ये देश के युवा का अपमान है। सिर्फ एक नेता क्यों हो? भाजपा और हमारे बीच यही सबसे बड़ा फर्क है। हम जानना चाहते हैं कि लोगों के दिलों में क्या है, हम लोगों की मान्यताओं, संस्कृति, भाषा और धर्म का सम्मान करते हैं, जबकि वे लोग सब पर अपना विचार थोपना चाहते हैं। हमने अंग्रेजों से आजादी इसलिए नहीं पाई थी कि क्रस्स् की विचारधारा के गुलाम हो जाएं। इंसान और जानवर के बीच का संघर्ष वायनाड के लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। रात के समय ट्रैफिक पर लगाई गई रोक से भी लोग काफी परेशान हैं। हम इन परेशानियों को सुलझाने की कोशिश करेंगे। इसे लेकर हमने राज्य और केंद्र सरकार को कई पत्र लिखे हैं। हम आगे भी उन पर प्रेशर बनाते रहेंगे।

ईडी-सीबीआई के छापों पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-किसी को डराने के लिए नहीं करता फैसले

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में प्रचार अभियान की व्यस्तता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में इंडी गठबंधन पर हमला बोला है। ईडी व सीबीआई से जुड़े सवालों पर उन्होंने कहा कि ईडी व सीबीआई से जुड़े कानून हमारी सरकार में नहीं आए। हम उस स्तर पर जाकर नहीं खेल सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इनमें से एक भी कानून (ईडी, सीबीआई केस दायर करना) मेरी सरकार नहीं लेकर आई है। इसके विपरीत, चुनाव आयोग में सुधार मेरी सरकार ने किया है। पहले तो परिवार के करीबी लोगों को चुनाव आयुक्त बना दिया जाता था, जिनको बाद में राज्यसभा सीटें और मंत्रालय दिए जाते थे। हम (भाजपा) उस स्तर पर नहीं खेल सकते हैं।

पीएम ने कहा है कि ईडी आज के समय में बेहतरीन काम कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि एजेंसी के 97 फीसदी केस ऐसे लोगों पर हैं, जो राजनीति में शामिल नहीं है। इतना ही नहीं पीएम ने कहा कि ईडी और सीबीआई से जुड़े कोई भी कानून भाजपा के समय में नहीं आए। बल्कि भाजपा सरकार चुनाव आयोग में बदलाव के लिए कानून लाई। पहले जो लोग एक परिवार के करीबी होते थे, सिर्फ उन्हें ही चुनाव आयुक्त बनाया जाता था और उन्हें बाद में राज्यसभा या अन्य मंत्रालय भेज दिया था। पीएम ने तंज कसते हुए कहा कि लेकिन हम (भाजपा) उस स्तर का काम नहीं कर सकते।

यह तो सिर्फ ट्रेलर है का क्या मतलब होता है, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि जब मैं कहता हूं कि मेरे मन में बहुत बड़े-बड़े प्लान हैं। इससे किसी को डरने की जरूरत नहीं है। मेरे निर्णय किसी को डराने के लिए नहीं हैं। मेरे निर्णय किसी को दबाने के लिए भी नहीं हैं। मेरे निर्णय देश के सर्वांगीण विकास के लिए हैं। मेरे निर्णय जनकल्याण के लिए हैं। देश के युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने में मैं देर नहीं करना चाहता। मैं समय नहीं बिगाड़ना चाहता। इंटरव्यू में उन्होंने आगे कहा कि ज्यादातर सरकारों का स्वाभाव है कि उन्हें लगता है कि उन्होंने सब कुछ कर लिया लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता कि मैंने सब कुछ कर लिया। मैंने ज्यादा से ज्यादा करने का प्रयास किया है। सही दिशा में जाने का प्रयास किया है। बावजूद इसके बहुत कुछ है, जो मुझे अभी भी करना है। मुझे पता है कि देश में बहुत चीजों की आवश्यकता है। हर परिवार के बहुत सपने होते हैं, उनका सपना कैसे पूरा किया जाए, वह मेरे दिल में है। इसलिए मैं कहता हूं कि जो हुआ वह बस ट्रेलर है। मैं अभी बहुत कुछ करना चाहता हूं। एक राष्ट्र एक चुनाव हमारी प्रतिबद्धता एक राष्ट्र, एक चुनाव पर पीएम ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव हमारी प्रतिबद्धता है। देश में कई लोग हमारे साथ आए हैं। कई लोगों ने समिति को अपने सुझाव दिए हैं। सकारात्मक सुझाव आए हैं। अगर, हम इस रिपोर्ट को लागू कर पाए, तो देश को बहुत फायदा होगा। पीएम नरेंद्र मोदी से जब एलन मस्क के भारतीय बाजार में प्रवेश और रोजगार सृजन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि एलन मस्क का मोदी समर्थक होना एक बात है। वह भारत के समर्थक हैं। मैं भारत में निवेश चाहता हूं। पैसा किसी का भी लगा हो, पसीना मेरे देश का लगना चाहिए। उसके अंदर सुगंध मेरे देश की मिट्टी की आनी चाहिए, ताकि मेरे देश के नौजवान को रोजगार मिले।

राहुल गांधी चुनाव प्रचार करने पहुंचे तमिलनाडु, अधिकारियों ने ली हेलीकॉप्टर की तलाशी

- तमिलनाडु में कांग्रेस द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम के साथ मिलकर लड़ रही चुनाव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में जुटे हैं। आज चुनाव प्रचार के लिए राहुल गांधी तमिलनाडु पहुंचे हैं। राहुल के तमिलनाडु पहुंचे ही चुनाव अधिकारियों ने उनके हेलीकॉप्टर की तलाशी लेनी शुरु दी। राहुल के हेलीकॉप्टर की तलाशी क्यों ली गई इसको लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। तमिलनाडु में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के साथी द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है।

सूत्रों के मुताबिक राहुल के हेलीकॉप्टर की तलाशी लेने सोमवार को चुनाव अधिकारी तमिलनाडु पहुंचे। खबरो से पता चला है कि उस दौरान राहुल गांधी चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने वायनाड रवाना हो चुके थे। 2019 में रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीतने के बाद राहुल दोबारा वायनाड से चुनावी मैदान में हैं। वहीं राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेगे या नहीं इसको लेकर स्थिति साफ नहीं है।

केरल में 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव-2024 के लिए कई राजनीतिक दलों के शीर्ष राष्ट्रीय नेता सोमवार से 20 संसदीय क्षेत्रों के लिए चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मार्क्सवादी कम्युनस्टि पार्टी महासचिव सीताराम येचुरी और भारतीय कम्युनिसट पार्टी महासचिव डी राजा सहित शीर्ष राष्ट्रीय नेता 15 अप्रैल से अपने उम्मीदवारों के लिए दूसरे चरण के प्रचार के लिए केरल पहुंच रहे हैं यहां अपने अपने उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे।

सोमवार को तिरुवनंतपुरम के कट्टकडा में केंद्रीय मंत्रियों राजीव चंद्रशेखर और वी मुरलीधरन के पक्ष में पीएम नरेंद्र मोदी दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे, जो तिरुवनंतपुरम और अत्तिंगल संसदीय क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं। बाद में पीएम मोदी का त्रिशूर में एक जनसभा में शामिल होने का कार्यक्रम भी है। पलक्कड़ में 19 मार्च के बाद चुनाव प्रचार के लिए मोदी की यह केरल की छठी यात्रा होगी। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कन्नूर लोकसभा सीट से राष्ट्रवादी जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे सी रघुनाथ के पक्ष में चुनाव प्रचार करने 17 अप्रैल को कन्नूर के मत्तानूर पहुंचे।

राहुल गांधी, जो वायनाड लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के उम्मीदवार भी हैं, 16 अप्रैल को कलपेट्टा के मनंतवाडी के सुल्तान बाथरी में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। राहुल गांधी 15 अप्रैल को कोझिकोड में अपनी पहली चुनावी रैली करेंगे। बाद में, वह 17 से 18 अप्रैल तक कन्नूर, पलक्कड़ कोट्टायम, त्रिशूर, तिरुवनंतपुरम और अलप्पुझा में चुनाव प्रचार में शामिल होंगे। वहीं कांग्रेस नेता एवं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार 16 अप्रैल को तिरुवनंतपुरम, कन्नूर, वडकारा, कोझिकोड और मलप्पुरम में यूडीएफ उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

सीताराम येचुरी 16 अप्रैल को वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के प्रत्याशियों के लिए प्रचार अभियान शुरू करेंगे। उनकी पहली जनसभा कासरगोड, कन्नूर में और 17 अप्रैल को वडकारा और कोझिकोड में और 18 अप्रैल को पलक्कड़ और अलाथुर में होनी है। केरल में उनका चुनाव अभियान 21 अप्रैल को समाप्त होगा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य प्रकाश करात, बृंदा करात, तपन सेन और सुभाषिनी अली 15 से 22 अप्रैल तक चुनावी रैलियां और जनसभाएं करेंगे। भाकपा महासचिव डी राजा अगले सप्ताह वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार में शामिल होने के लिए केरल पहुंचेंगे, जहां उनकी पत्नी एनी राजा चुनाव लड़ रही हैं।

मैनपुरी में खाली कुर्सियां देख सीएम मोहन यादव की सभा हुई कैंसिल

मैनपुरी (ईएमएस)। यूपी के यादव बाहुल्य क्षेत्र मैनपुरी से भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह के समर्थन में नामांकन सभा को संबोधित करने के लिए आयोजित सभा में खाली कुर्सियों ने नेताओं को खासा निराश किया। लगभग खाली पड़े जनसभा स्थल को देख मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का सभा को कैंसिल कर दिया गया। हालांकि मैनपुरी पहुंचे एमपी के सीएम ने यहां चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। तसल्ली के बात यह रही कि उनके यहां पहुंचने पर बड़ी संख्या में सपा नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। दरअसल, भाजपा प्रत्याशी एवं यूपी सरकार में काबीना मंत्री जयवीर सिंह के नामांकन के बाद यहां नामांकन सभा का आयोजन किया गया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने जनसभा को संबोधित किया। वहीं इसके बाद यहां सीएम मोहन यादव सभा को संबोधित करने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही खबर मिली कि सभा में कुर्सियां खाली हैं। इसलिए सीएम मोहन यादव की सभा को कैंसिल कर दिया गया।

पापुआ न्यू गिनी में 6.5 तीव्रता का भूकंप

पापुआ न्यू गिनी (ईएमएस)। पापुआ न्यू गिनी में सोमवार को 6.5 तीव्रता का भूकंप आया। अभी सुनामी का कोई अलर्ट नहीं है न ही किसी तरह के नुकसान की सूचना है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने एक बयान में बताया कि दक्षिण प्रशांत द्वीपीय देश में स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजे भूकंप आया। भूकंप का केंद्र वेस्ट न्यू ब्रिटेन की प्रांतीय राजधानी किम्बे से 110 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में 68 किलोमीटर की गहरायी में था। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने बताया कि अभी सुनामी का कोई अलर्ट नहीं है। पापुआ न्यू गिनी भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है।

दिन-ब-दिन गिर रही कांग्रेस की साख, सीटें भी हो रहीं कम

-लोकसभा चुनाव 2024 में 400 से भी कम सीटों पर उतारे उम्मीदवार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश में सबसे ज्यादा सत्ता में रहने वाली कांग्रेस का हाल दिन ब दिन बुरा होता जा है, कांग्रेस के कई बड़े नेता पार्टी छोड़कर दूसरी राजनीतिक पार्टियां ज्वाइन कर चुके हैं। अब कांग्रेस का यह हाल है कि उनके पास चुनाव लड़ाने के लिए उम्मीदवार की कमी है। उनके ही कई नेता चुनाव लड़ने से इनकार कर रहे हैं। कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव में अब तक के चुनावी इतिहास में सबसे कम सीटों पर चुनाव मैदान में उतरेगी। 2014 के लोकसभा चुनाव में सिर्फ 44 सांसदों को लोकसभा में भेजने वाली कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव में 350 से भी कम सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस ने सिर्फ 266 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पार्टी इस लोकसभा चुनाव में कुल 330 से 340 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस पहली बार 400 से कम लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

भारत के पहले लोकसभा चुनाव 1951-52 से लेकर साल 2019 तक हुए 17 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कभी भी 400 से कम लोकसभा सीटों पर चुनाव नहीं लड़ी। कांग्रेस ने सबसे कम सीटों पर लोकसभा का चुनाव 2004 में लड़ा था, जब पार्टी ने कुल 417 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। इसके बाद 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 440, 2014 के लोकसभा चुनाव में 463, 2019 के लोकसभा चुनाव में 421 उम्मीदवारों को चुनाव लड़ाया था। कांग्रेस ने अब तक के 17 लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा उम्मीदवार 1996 के लोकसभा चुनाव में उतारा थे तब कांग्रेस की तरफ से 529 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे।

2024 के लोकसभा चुनाव में कम सीटों पर लड़ने की सबसे बड़ी वजह कांग्रेस का इंडिया गठबंधन का हिस्सा होना है। कई राज्यों में कांग्रेस पिछले चुनाव के मुकाबले कम सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ रही है। यूपी में कांग्रेस ने पिछली बार यूपीए गठबंधन के तहत 67 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन इस बार काग्रेस सिर्फ 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है यानी 50 सीटें कम है। इसी तरह से बंगाल में कांग्रेस पार्टी ने पिछली बार 41 प्रत्याशी मैदान में उतारे थे, इस बार करीब 20 लोकसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है।

इसके अलावा कांग्रेस दिल्ली में भी चार सीटों, गुजरात में दो सीटों पर कम, राजस्थान में पिछले चुनाव के मुकाबले कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस पिछले चुनाव के मुकाबले 2024 में एक सीट पर कम लड़ हैं। कांग्रेस ने पिछली बार जम्मू कश्मीर की पांच में से चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था, इस बार सिर्फ दो लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार को उतारा है।

महाराष्ट्र में कांग्रेस ने पिछले चुनाव में 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन इस बार महाराष्ट्र में भी कांग्रेस पिछली बार की तुलना में 8 सीटों कम पर चुनाव लड़ रही है. अब तक कांग्रेस ने कुल 278 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है। कम सीटों पर चुनाव लड़ने की वजह से कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती सीटों की संख्या बढ़ाने के साथ वोट प्रतिशत बढ़ाने की भी होगी। अब सब की निगाह लोकसभा चुनाव के 4 जून के परिणाम पर टिकी हैं कि इंडिया गठबंधन कितनी सीटें जीतता है और उसमें कांग्रेस को कितनी सीटें हासिल करती है।

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 14 ग्रामीणों की मौत

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से लगभग 14 लोगों की मौत हो गई और एक अन्य लापता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया ?कि दक्षिण सुलावेसी प्रांत के ताना तोराजा जिले में चार घर भूस्खलन में दब गए। आधी रात से लगातार हुई भारी बारिश ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अभी भी पहाड़ी दक्षिण मकाले गांव में एक लापता ग्रामीण की तलाश कर रहे हैं। हालांकि बिजली की कमी, क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के कारण ताना तोराजा के ऊंचे इलाकों में सड़कें अवरुद्ध होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

पश्चिम कांगो में भारी बारिश व भूस्खलन से 15 लोगों की मौत, 60 लापता

इडियोफा (ईएमएस)। दक्षिण पश्चिम कांगो में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में रविवार को कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी और 60 लोग लापता हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इडियोफा शहर के निकट बंदरगाह से कुछ दूरी पर शनिवार को हुए भूस्खलन के बाद सात लोग जीवित पाए गए हैं। स्थानीय अधिकारी ढेधे मुपासा ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि बंदरगाह से आगे एक पहाड़ी है और बारिश के कारण पहाड़ की मिट्टी खिसक गयी है।

प्रांत के अंतरिम गवर्नर फ्लिसीन किवे ने संवाददाताओं को बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए एक टीम को भेजा गया है जिन्होंने 7 लोगों को जीवित पाया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। उन्होंने बताया कि 60 लोग अभी भी लापता हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि लापता लोगों की सटीक संख्या बता पाना मुश्किल है क्योंकि हर शनिवार को इस जगह एक बाजार लगता था। अधिकारी ने बताया कि यह इलाका एक तरह का बंदरगाह है जहां मछुआरे मछली बेचने और साबुन खरीदने आते हैं।

के कविता को झटका, कोर्ट ने 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बीआरएस नेता के. कविता को सीबीआई की कस्टडी खत्म होने के बाद आज कोर्ट में पेश किया गया। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बीआरएस नेता के. कविता को 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बता दें, कोर्ट ने यह न्यायिक हिरासत सीबीआई के केस में दी है। सीबीआई ने कोर्ट से 15 दिनों की न्यायिक हिरासत मांगी थी।

बता दें, ईडी के बाद सीबीआई ने 12 अप्रैल को कविता को गिरफ्तार किया था। इसके बाद विगत दिवस सीबीआई ने उन्हें कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने कविता को 15 अप्रैल तक की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। इससे पहले तक वह न्यायिक हिरासत में थीं। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी के. कविता को ईडी ने पिछले महीने हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। इस दौरान सीबीआई ने विशेष अदालत को बताया कि के. कविता ने शरथ रेड्डी को धमकाया था कि दिल्ली में ठेके को हासिल करने के लिए आप को 25 करोड़ का भुगतान करें। अगर इस शर्त को पूरा नहीं किया गया तो तेलंगाना और दिल्ली में उनके कारोबार को नुकसान पहुंचेगा। सीबीआई ने बताया कि कविता के आग्रह पर ही शरथ रेड्डी दिल्ली में शराब के कारोबार में शामिल हुए थे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स आज 845 , निफ़्टी 246 अंक गिरा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिराव दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली दर्ज करने से आई हैं। इसके अलावा ईरान और इज़राइल के बीच तनाव बढ़ने से भी निवेशक आशंकित हैं और उन्होंने खरीददारी से दूरी बना ली है। इसी का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 845.12 अंक करीब 1.14 फीसदी टूटकर 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 246.90 तकरीबन 1.1 फीसदी नीचे आकर 22,272.50 के स्तर पर बंद हुआ। निफ़्टी की 50 कंपनियों में से 44 के शेयर नीचे आये जबकि केवल 6 कंपनियों के शेयर ऊपर आये। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में विप्रो का शेयर सबसे ज्यादा 2.47 फीसदी गिरा। इसके साथ ही आईसीसीआई बैंक , बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, एचडीएफ़सी बैंक, एक्सिस बैंक, टीसीएस के शेयर नीचे आये।

वहीं नेस्ले इंडिया, मारुति और भारतीय एयरटेल के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। बाजार जानकारों के अनुसार मुध्य पूर्व में तनाव भारतीय इक्विटी बाजार में बिकवाली हावी रही कयोंकि निवेशकों में घबराहट का माहौर है। इसके आलावा वैश्विक बाजारों में बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना है। इसी कारण आज एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग निचले स्तर पर कारोबार कर रहे थे जबकि शंघाई पॉजिटिव क्षेत्र में था। वॉल स्ट्रीट शुक्रवार को गिरावट में बंद हुआ। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त से भी निवेशकों की चिंता बढ़ी है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें छह महीने के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे मुद्रास्फीति भी बढ़ रही है।

इससे पहले आज सुबह दुनिया भर के बाजारों के कमजोर रुख के बीच ही शुरुआती कारोबार में गिरावट आई और सेंसेक्स 929.74 अंक टूट गया। विदेशी कोष की निकासी और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों के उम्मीद से ज्यादा रहने का भी भारतीय शेयर बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। अपने पिछले कारोबारी ?दिनों में गिरावट जारी रखते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 929.74 अंक गिरकर 73,315.16 पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी 216.9 अंक गिरकर 22,302.50 पर आ गया

अब व्हाट्सऐप पर भी कर पाएंगे एआई फीचर का इस्तेमाल

वा?शिंगटन (ईएमएस)। व्हाट्सऐप समय-समय पर अपने यूजर्स के लिए नए-नए फीचर्स रोल आउट करती रहती है। कंपनी ने हाल ही में नए एआई पावर्ड फीचर को प्रदर्शित किया है। इसके तहत अब व्हॉट्सएप यूजर्स को मेटा एआई सुविधा का लाभ मिलेगा। हालांकि अभी ये सुविधा कुछ ही यूजर्स तक सीमित की गई है। इस एआई मॉडल के साथ बातचीत करते वक्त ऐसा लगेगा, जैसे आप किसी अन्य व्यक्ति के साथ साधारण तौर पर बातचीत करते हैं। गौरतलब है ?कि इसका कस्टम मॉडल लाइमा-2 एक जेनरेटिव टेक्स्ट मॉडल है। साथ ही मेटा का लार्ज लैंग्वेज मॉडल बिना किसी रुकावट के सामान्य चैट का अनुभव बेहतर करेगा। मेटा ने माइक्रोसॉफ्ट बिंग के साथ रणनीतिक साझेदारी की है, ताकि टेक्स्ट आधारित बातचीत को फिर से रियल टाइम जानकारी के जरिए हासिल किया जा सकें। व्हॉट्सएप पर मेटा एआई फीचर सुविधा का लाभ फिलहाल कुछ ही यूजर्स तक पहुंचा है।

सोना 72 हजार, चांदी 83 हजार के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में इसके भाव भी तेजी के साथ कारोबार करने लगे। सोमवार को सोने के वायदा भाव 72 हजार और चांदी के वायदा भाव 83 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वै?श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बाद में इनकी कीमतों में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमासीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 187 रुपये की तेजी के साथ 72,030 रुपये के भाव पर खुलकर 223 रुपये की तेजी के साथ 72,066 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 14 रुपये की गिरावट के साथ 8,2799 रुपये के भाव पर खुलकर 419 रुपये की तेजी के साथ 83,232 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,369.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,374.10 डॉलर था। ?फिलहाल यह 4.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,378.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। पिछले सप्ताह सोने के वायदा भाव ने 2,400 डॉलर के भाव को पार कर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.20 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.33 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.01 डॉलर की तेजी के साथ 28.34 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। पिछले सप्ताह इसके वायदा भाव 29 डॉलर पार कर गए थे।

दुनिया के 20 प्रतिशत तेल सप्लाई रूट पर ईरानी मिसाइलें तैनात, तनाव के चलते क्रूड 15 प्रतिशत महंगा

ईरान-इजराइल टकराव से बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

तेलअवीव (ईएमएस)। अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमला किया। ईरान ने 12 दिन बाद यानी 13 अप्रैल को इसके जवाब में इजराइल पर 300 मिसाइलों और ड्रोन से अटैक कर दिया। मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते इंटरनेशनल ऑयल मार्केट में क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ सकती हैं। अगर ऐसा हुआ तो इसका सीधा असर भारतीयों की जेब पर पड़ सकता है। इस स्टोरी में जानिए इजराइल-ईरान जंग से तेल की कीमत पर कितना असर पड़ सकता है, कैसे 21 साल पहले अमेरिका और इजराइल ने भारत को ईरान से तेल नहीं खरीदने के लिए मजबूर किया था।

ईरान ने इजराइल पर सीधा हमला करने से एक दिन पहले ओमान की खाड़ी में होर्मुज पास से गुजर रहे एक जहाज पर कब्जा कर लिया था। दुनिया के 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई इसी होर्मुज पास से होती है। यहां ईरान की कई सौ बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें तैनात हैं। दोनों देशों में विवाद बढ़ा तो इजराइल इस इलाके से जहाजों की आवाजाही रोक देगा। ईरान स्वेज नहर को भी ब्लॉक करने की धमकी दे चुका है। स्वेज नहर से हर दिन 5.5 मिलियन बैरल से ज्यादा क्रूड ऑयल की सप्लाई होती है। वित्त वर्ष 2023 में भारत का 65 प्रतिशत क्रूड ऑयल स्वेज नहर के रास्ते से आया था।

स्वेज नहर और होर्मुज पास में किसी भी तरह की रुकावट तेल की सप्लाई का बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। इन सब अटकलों के बीच तेल के बाजार पर इसका असर दिखाई देने लगा है। ईरान और इजराइल में तनाव की शुरुआत 1 अप्रैल को हुई थी। तब से अब तक क्रूड ऑयल के दाम 80 डॉलर प्रति बैरल से बढक़र 90 डॉलर प्रति बैरल हो चुके हैं। अमेरिकी थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मुताबिक अगर तनाव कम नहीं हुआ तो तेल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल भी जा सकते हैं। एनर्जी पॉलिसी और जियोपॉलिटिक्स एक्पसपर्ट नरेंद्र तनेता बताते हैं कि ऑयल पूरी दुनिया में एक राजनीतिक कमोडिटी है। सारा तेल मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) से आता है। यहां बड़े-बड़े तेल उत्पादक देश जैसे सऊदी अरब, कुवैत, ओमान और रूश्र हैं।

परिषद को एक्शन लेना होगा, इजराइल नहीं पूरी दुनिया के भविष्य के लिए

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षी परिषद में ईरान और इजरायल ने एक दूसरे पर साधा निशाना

जेनेवा,(ईएमएस)। पिछले दिनों ईरान ने इजराइल पर अचानक हमला कर दिया। ईरानी हमले को लेकर इजराइन ने दावा किया है कि उसने कई ईरानी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया है। इन घटनाक्रमों के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान और इजरायल ने एक दूसरे पर जमकर निशाना साधा। इजरायल ने ईरान की आतंकी गतिविधियों पर खामोश रहने पर संयुक्त राष्ट्र को भी घेरा है।

संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के राजदूत ने कहा कि इजरायल बेवजह का रोना नहीं रोता। हम सालों से अपना पक्ष रखते आ रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को समझाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन इसका फायदा नहीं हुआ। अगर यूएनएससी हमारे बातों पर अमल कर लेता तो ईरानी हमलों की गूंज से उसे जागना नहीं पड़ता।

इजरायली राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से कहा कि उन्होंने ईरान की निंदा क्यों नहीं की? इसके बजाए आपने हमास के लिए लाल कार्पेट बिछाया। आप उनके साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं, जैसे वे इस मौजूदा स्थिति को कम करने के इच्छुक हैं जबकि आपको पता है ऐसा कुछ नहीं है। ईरान की रणनीति रही है कि वे दुनियाभर में आतंकी को फंडिंग करने और आतंकियों को ट्रेनिंग देता है ताकि वह वर्चस्व की अपनी योजना को अमलीजामा पहना सके लेकिन आज ईरान का चेहरा दुनिया के सामने आ गया है। ईरान ने अपनी जमीं से इजरायल पर हमला किया है।

इजरायली राजदूत ने कहा कि इस हमले ने सभी सीमाएं लांघ दी है और इजरायल को पूरा हक है कि वह इसका जवाब दे। हम सिर्फ शोर मचाने वाले देश नहीं हैं। इजरायल पर इस तरह का सीधा हमला होने के बाद हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में अब कोई मान मनौव्वल नहीं होगा। कोई तुष्टिकरण नहीं होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को एक्शन लेना होगा। ईरान के हमले की निंदा करनी होगी। आज और अभी एक्शन लेना होगा इजरायल या मिडिल ईस्ट के लिए नहीं बल्कि दुनिया के भविष्य के लिए। ईरान को आज ही रोकना होगा।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरानी राजदूत ने कहा कि ईरान की सेना ने इजरायल के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर 51 का पालन करते हुए आत्मरक्षा की वजह से यह कदम उठाया है। इसमें साफ कहा गया है कि कोई भी देश खुद पर हमले और खतरे के मद्देनजर आत्मसुरक्षा में जवाबी हमला कर सकता है।

ईरानी राजदूत ने यूएनएससी में अमेरिका को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि ये देश, विशेष रूप से अमेरिका गाजा नरसंहार में इजरायल की जवाबदेही से उसे बचाने के लिए ढाल बनकर खड़ा है जबकि ये हम पर इजरायली हमले को लेकर अपनी आंख मूंद लेते हैं और गाजा नरसंहार को न्यायोचित ठहराते हैं। यह उनकी दोहरी नीति है। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में ईरान की अमेरिका से दो-दो हाथ करने की कोई मंशा नहीं है। हमने शांति के लिए प्रतिबद्धता जताई है लेकिन अगर अमेरिका, ईरान के खिलाफ सैन्य ऑपरेशन शुरू करता है तो हम उसका जवाब जरुर देंगे।

जन हितैषी

भाजपा के छह प्रत्याशियों ने पर्चा भरा और अपनी उम्मीदवारी दर्ज करायी

परुषोत्तम रूपाला समेत १६ उम्मीदवार कल भरेंगे फॉर्म

वडोदरा, १५ अप्रैल ।

गुजरात में लोकसभा की २६ और विधानसभा की पांच सीटों पर उपचुनाव के लिए फॉर्म भरना शुरू हो चुका है । आज भारतीय जनता पार्टी के छह प्रत्याशियों ने फॉर्म भरकर अपनी उम्मीदवारी दर्ज करायी है । आज अहमदाबाद पूर्व से हसमुख पटेल, सुरेंद्रनगर में चंदूभाई सिहोरा, पोरबंदर में मनसुखभाई मंडाविया, पंचमहल में राजपाल सिंह जादव, वलसाड में धवल पटेल, भरूच में मनसुख वसावा ने रोड शो कर अपना पर्चा भरा है । इसके अलावा, पोरबंदर में अर्जुन मोढवाडिया और वाघोडिया में धर्मेंद्रसिंह वाघेला ने विधानसभा उपचुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी दाखिल की है । भारतीय जनता पार्टी द्वारा घोषित कार्यक्रम के मुताबिक, आज छह उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया है और १६ उम्मीदवार कल अपना नामांकन दाखिल करेंगे ।

गुजरात की २६ लोकसभा सीटों और पांच विधानसभा सीटों के लिए ७ मई को मतदान होगा । इन सभी सीटों पर बूथ और पेज कमेटी स्तर से लेकर मंडल स्तर तक बैठकें और अभियान आयोजित किए गए हैं । जिसमें क्षेत्रीय अध्यक्ष सी । आर । पाटिल, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल विभिन्न २६ लोकसभा सीटों के पेज प्रमुखों और मतदाता संपर्क अभियानों में हिस्सा ले रहे हैं । आज से उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी दाखिल करने के साथ-साथ रोड शो और सार्वजनिक सभाओं का भी आयोजन किया है । गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का १८ तारीख को भव्य रोड शो आयोजित किया गया है । वह पहली बार चुनाव प्रचार करेंगे । उनके साथ मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष सी ।आर । भी थे । पाटिल शामिल होंगे । वह १९ तारीख को अपनी उम्मीदवारी दाखिल करेंगे । १८ तारीख को नवसारी में प्रदेश अध्यक्ष पाटिल की सभा रखी गई है और उसके बाद वह अपनी उम्मीदवारी दाखिल करेंगे । जामनगर से प्रत्याशी पूनम माडम १८ को रोड शो करेंगी और १९ को पर्चा भरेंगी ।रामनवमी के सार्वजनिक अवकाश के बाद चार दिनों के दौरान मुख्यमंत्री गांधीनगर के अलावा आणंद, नवसारी में भी मौजूद रहेंगे जब उम्मीदवार फॉर्म भरेंगे ।प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल गांधीनगर के अलावा कच्छ, पोरबंदर, सूरत में मौजूद रहेंगे ।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया भावनगर में मौजूद रहेंगे । बीजेपी ने घोषणा की है कि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा छोटाउदेपुर, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लालसर बनासकांठा में शामिल होंगे ।

कांग्रेस ने कभी अपने वादे पूरे नहीं किए, भाजपा ने जो कहा उसे पूरा किया : सीआर पाटील

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील और राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आज एक संयुक्त पत्रकार परिषद कर भाजपा के संकल्प पत्र की जानकारी साझा की बीते दिन जारी भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर सीआर पाटील ने कहा कि भाजपा ने जो भी वादा किया उसे पूरा किया हैं जबकि कांग्रेस ने कभी अपने वादों को पूरा नहीं किया हम झूठे वादे नहीं बल्कि गारंटी देते हैं किए गए वादे पूरा करना ही हमारा संकल्प पत्र हैं वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर सीआर पाटील ने कहा कि इसे मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी काफी गंभीर हैं पीएम मोदी ने वन नेशन, वन इलेक्शन के बारे में सभी जानकारियां प्राप्त की हैं और एक समिति बनाकर चुनाव आयोग को एक रिपोर्ट भी दे दी हैं भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में इस मद्दे को गंभीरता से लिया हैं एक सवाल के जवाब में सीआर पाटील ने कहा कि क्षत्रिय समाज के साथ हम लगातार संपर्क में हैं क्षत्रिय समाज के नेताओं के साथ भाजपा के क्षत्रिय नेता संपर्क में हैं मेरे अलावा गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी भी क्षत्रिय समाज के नेताओं से बातचीत कर रहे हैं ताकि पूरे मामले का सुखद समाधान हो इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि विरासत का वैभव बरकरार रखना मोदी की गारंटी हैं भाजपा विकास के ठोस कार्य करनेवाली पार्टी है और जो कहा है उसे कर के दिखाया हैं भाजपा का संकल्प पत्र जनता के लिए किसी गारंटी से कम नहीं हैं भाजपा का संकल्प पत्र जनता की सेवा की गारंटी पत्र हैं उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुजरात समेत देशभर से आशीर्वाद मिल रहा हैं पीएम मोदी की विकास की राजनीति पर जनता को पूरा भरोसा हैं मुख्यमंत्री ने दावा किया कि गुजरात की सभी 26 सीटों पर भाजपा का कमल खिलेगा मोदी सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलती हैं उन्होंन कहा कि देश की 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन मिल रहा है, जो अगले पांच साल तक मिलता रहेगा आगामी वर्षों में देश के और तीन करोड़ लोगों को खुद का घर मिलेगा भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि नारी शक्ति वंदना अधिनियम से महिलाओं को आरक्षण मिला हैं भाजपा राष्ट्र प्रथम के सूत्र पर चलनेवाली पार्टी है, जो गरीब, युवा, किसान और महिला शक्ति को खास तवज्जो देती हैं मोदी की गारंटी यानी संकल्प से सिद्धि हैं मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण का यह संकल्प पत्र हैं

पहले CBI में खेली लंबी पारी फिरDG ऑफिस में मिली तैनाती, अब बने वडोदरा के सीपी

वडोदरा,दि.15

गुजरात के एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर नरसिम्हा कोमार वडोदरा शहर के नए पुलिस आयुक्त होंगे। गुजरात सरकार ने लोकसभा चुनावों के बीच आईपीएस के प्रमोशन और ट्रांसफर के बीच उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी काफी होशियार और बैलेंस अधिकारी माने जाते हैं। वे पूर्व में सीबीआई में लंबी पारी खेल चुके हैं। इस दौरान में उन्होंने बेंगलुरू में एक अहम केस को क्रैक किया था। जिसके बाद वे काफी सुर्खियों में आए थे।

नरसिम्हा कोमार पिछले पांच साल से डीजी (पुलिस महानिदेशक) ऑफिस में डयूटी कर रहे थे। पिछले दिनों एडीजीपी नरसिम्हा कोमार तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने महिला और आर्थिक धोखाधड़ी के मामलों को स्पेशल क्राइम घोषित किया था। गुजरात पुलिस ने इनकी जांच सीओ स्तर से ऊपर अधिकारियों से करने का आदेश जारी किया था।

नरसिम्हा कोमार मूलरूप से कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिक में बीई की डिग्री हासल करने के बाद पब्लिक पॉलिसी और मैनेजमेंट में में पीजी डिप्लोमा किया है। उन्होंने यह डिप्लोमा आईआईएम बेंगलोर से किया है। 56 साल के नरसिम्हा कोमार काफी मेहनती ऑफिसर्स हैं। उनकी गिनती इंटेलीजेंट ऑफिसर्स में की जाती है। सात साल तक सीबीआई में काम करने के कारण उनके पास इंवेटीगेटिव स्किल्स है। कोमार अब तक करियर में चार जिलों के एसपी और 3 रेंज के आईजी भी रह चुके हैं। करीब पांच साल तकडीजी ऑफिस में काम करने के बा वे फील्ड पोस्टिंग से वापसी कर रहे हैं। उन्हें गुजरात के बडे शहरों में शामिल वडोदरा का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है।

सिंतबर,2016में सूरत में संदिग्ध लट्ठा कांड (जहरीली शराब से मौतें) के वक्त पर नरसिम्हा कोमार सूरत रेंज के आईजी थी। इसमें तब 16 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद कोमार का सरकार ने तबादला किया था और उन्हें मरीन फोर्स का आईजी बनाकर जामनगर भेज दिया था। सरकार ने तब कोमार की जगह पर 1991 बैच के आईपीएस ऑफिस शमशेर सिंह (वर्तमान में डीजीपी लॉ एंड ऑर्डर) को सूरत भेजा था। तब सरकार ने सूरत के एसपी रहे मयूरसिंह चावडा को भी हटाया था। गुजरात सरकार ने चुनाव आयोग के निर्देश पर राज्य में 35 ऑफिसर्स को प्रोन्नत/ट्रांसफर किया है। इसमें सरकार ने 1996 बैच के आईपीएस ऑफिसर नरसिम्हा कोमार को वडोदरा कानया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया है। वे अभी तक राज्य के एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर के पद पर थे।

नरसिम्हा कोमार सीबीआई में उल्लेखनीय काम के लिए 2012 में स्पेशल कैटेगरी में राष्ट्रपति के हाथों मेडल भी पा चुके हैं। तब वे डीआईजी सीबीआई बीएस एंड एफसी बेंगलोर के पद पर कार्यरत थे। इसके बाद जनवरी, 2023 में कोमार को राष्ट्रपति मेडल मिला था। उन्हें यह मेडल गुजरात विधानसभा चुनावों में स्टेट नोडल पुलिस ऑफिसर (एस पीएनओ) के तौर पर बेतहर सिव न्युरिटी मैनेजमेंट के लिए दिया गया था। नरसिम्हा कोमार की बेटी दिशीता ने साल 2022 में आईसर्ा एसई के नतीजों में टॉपर बनी थीं। दिशीता ने 10वीं के परिणाम में देशभर में तीसरी रैंक हासिल की थी। दिशीता को चारविषयोंमें100में100नंबर हासिल किए थे। दिशीता ने बिन टयूशन के ही यह उपलब्धि हासिल की थी।

पद्मिनीबा वाळा ने राजकोट में क्षत्रिय समाज के सम्मेलन पर उठाए सवाल,

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में राजकोट सीट से भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला के खिलाफ पिछले कई दिनों से आंदोलन चल रहा हैं क्षत्रिय समाज राजकोट सीट से पुरुषोत्तम रूपाला का टिकट रद्द करने की मांग पर अड़ा है और इसके लिए शक्ति प्रदर्शन के उद्देश्य से बीते दिन राजकोट के राजपर में क्षत्रिय समाज का महासम्मेलन का आयोजन किया गया था इस महासम्मेलन में गुजरात समेत देश के कई राज्यों से क्षत्रिय समाज के अग्रणी आए थे इतना ही सम्मेलन में लाखों की तादाद में क्षत्रिय समाज के लोग शामिल हुए रविवार को हुए सम्मेलन के बाद अब पद्मिनीबा वाळा का एक ऑडियो सामने आया है, जिसमें वह सम्मेलन को लेकर ही सवाल उठा रही हैं ऑडियो में पद्मिनी वाळा कह रहे हैं कि महासम्मेलन में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के उपस्थित होने पर उम्मीद थी कि कोई फैसला किया जाएगा लेकिन ऐसा लगता है जैसे लोग इस सम्मेलन में भाषण सुननेऔरभाषण देने आए थे इस प्रकार कैसे लड़ाई जीतसकते हैं? उन्होंने कहा किआखिरपुरुषोत्तमरूपालाको नामांकन पत्र क्यों भरने दिया जाए ?

भाजपा का घोषणा पत्र 2047 तक विकसित भारत के लिए रोडमैप, सीएम पटेल ने गुजरात की 26 सीटों को लेकर किया दावा

अहमदाबाद,,दि.15

। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सोमवार को कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने का एक रोडमैप है। इस दौरान उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता भाजपा को सभी 26 सीटें जीतने में मदद करेगी। एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम पटेल ने भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर कहा कि भाजपा जो कहती है उसे करने की नीति पर चलती है। हम कोई खोखले वादे नहीं बल्कि विकास के ठोस काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि गुजरात के 6.5 करोड़ लोगों ने पिछले ढाई दशकों से भाजपा पर अपना भरोसा जताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी ने उन्हें दिखाया है कि विकास और जन कल्याण के जरिए अपने सपनों को कैसे साकार किया जाए। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सोमवार को कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने का एक रोडमैप है। इस दौरान उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता भाजपा को सभी 26 सीटें जीतने में मदद करेगी। एक प्रेस कांफ्रेंस में सीएम पटेल ने भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर कहा कि भाजपा जो कहती है उसे करने की नीति पर चलती है।

सीएम पटेल ने कहा, ठपीएम मोदी को लगातार गुजरात और देश के लोगों का आशीर्वाद मिल रहा है। पीएम मोदी ने जो सुशासन की नींव रखी है उसकी वजह से गुजरात की जनताानेभाजपा को राज्य की सभी 26 लोकसभा सीटों जीतने में मदद की है। लोग एक बार फिर से मोदी की विकास की राजनीतिमेंविश्वास जता न्करभाजपा को सभी26 सीटेंजीतने में मदद करेंगे।

पीएम मोदी ने रविवार को भाजपा का घोषणापत्र को जारी करते हुए विकसित भारत के लिए अपने दृष्टिकोण को देश के सामने रखा और लोगों से अगले 1,000 सालों के लिए भारत के 'भाग्य' को आकार देने के लिए भाजपा को जनादेश देने का आह्वान किया। वहीं, भाजपा ने घोषणा पत्र में मध्यम वर्ग का विशेष ध्यान रखा है। उनके जीवन को सुगम बनाने को लेकर कई बड़े ऐलान भी किए। इसमें जनता को सस्ता घर, गैस पाइपलाइन व आसान परिवहन सुविधाएं मुहैया कराने जैसी अहम घोषणा शामिल हैं।

राज्य में संभावित हीटवेव के प्रभाव के विरुद्ध अग्रिम आयोजन के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई

गांधीनगर 15अप्रैल

राज्यमें आगामी समय में संभावित हीटवेव की स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य स्तर पर अग्रिम आयोजन करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य विभिन्न विभागों के उच्चाधि कारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

गांधीनगर में मुख्यमंत्री के निवास स्थान पर आयोजित इस बैठक में राहत आयुक्त श्री आलोक कुमार पांडे ने कहा कि गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए)ने संभावित हीटवेव का सामना करने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है। हीटवेव का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण आठ विभागों को संलग्न कर यह एक्शन प्लान तैयार किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, श्रम एवं रोजगार विभाग, जलापूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, पर्यटन विभाग, ऊर्जा विभाग, परिवहन विभाग, शहरी विकास एवं पंचायत विभाग को संलग्न कर विस्तृत एक्शन प्लान तैयार किया गया है।

हीटवेव की स्थिति में नागरिकों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए,इसकी गाइडलाइन्स तथा एक्शनप्लान के विषय में विवरण राज्य के मुख्यनिर्वाचन अधिकारी के माध्यमसे सभी33 जिलों के प्रश ासन को प्रदान किया गया। मुख्य ामंत्री श्री भूपेंद्र पटेल नेहीटवेवकेविरुद्धनागरिकों को सुरक्षा प्रदानकरनेके लिएविभिन्न विभागोंकोदी गई गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करने तथा एक्शन प्लान को पूरा तरह लागू करने का निर्देश दिया।

श्री पटेल ने 'जीरो कैजुअल्टी अप्रोच' के साथ मानव जीवन एवं पशु धन की संपूर्ण रक्षा के दृष्टिकोण के साथ एक्शन प्लान लागू करने के विषय में सुझाव दिए। इस संदर्भ में राहत आयुक्त श्री पांडे ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मल्टीपरपज साइक्लोन सेंटर कार्यरत करने, सेवाभावी संगठनों को छाछ एवं ओआरएस वितरण जैसे राहत कार्यों में जोड़ने, हीट स्ट्रोक के मरीजों के लिए अस्पताल में स्पेशल बेड तैयार करने, पर्यटन स्थलों को दोपहर के समय बंद रखने जैसे सुरक्षा एवं सतर्कता के कदम उठाने के लिए आवश्यक प्रबंधन किए जा रहे हैं।

उन्होंने जोड़ा कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के फलस्वरूप राज्य के कुछ क्षेत्रों में बेमौसम बरसात एवं तेज बूंदाबांदी की वर्तमान स्थिति के कारण हीटवेव आ नहीं रही है। इसके बावजूद यदि हीटवेव आए, तो राज्य सरकार इफेक्टिव एक्शन प्लान के साथ तैयार है। इस बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री के. कैलाशनाथन, मुख्य सचिव श्री राजकुमार, बंदरगाह एवं परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, उद्योग एवं खान विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एस. जे. हैदर, पर्यटन विभाग के सचिव श्री हारित शुक्ला, शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण विभाग के प्रधान सचिवअश्विनी कुमार, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव धनंजय द्विवेदी, स्वास्थ्यविभाग के आयुक्त हर्षद पटेल आदि उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में बीमारियां बढ़ीं

सूरत में ट्रैफिक कांस्टेबल की उल्टी-दस्त की वजह से मौत

सूरत (ईएमएस) गुजरात में गर्मी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सूरत समेत ज्यादातर शहरों में तापमान लगातार बढ़ता जा रहा हैं गर्मी के कड़े तेवरों के साथ ही राज्य में बीमारियां भी बढ़ने लगी हैं खासकर लू लगने की वजह से उल्टी-दस्त की बीमारियां बढ़ रही हैं। सूरत में उल्टी-दस्त के कारण एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी की मौत हो गई हैं जानकारी के मुताबिक सूरत में ट्रैफिक कांस्टेबल के तौर पर सेवारत प्रशांत पाटील की लू लगने की वजह से तबि यत बिगड़ गई प्रशांत पाटील को दो-तीन दिनों से दस्त और उल्टी से पीड़ित होने के बाद इलाज के लिए भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल प्रशांत पाटील की मौत हो गई एक पुलिसकर्मी की मौत के स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया हैं

वडोदरा मंडल पर बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर्व मनाया गया

वडोदरा ,दि.15

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर भारत रत्न एवं संविधान रचेता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। प्रतापनगर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेंद्र सिंह ने अन्य अधिकारियों एवं मान्यताप्राप्त एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ दीप प्रज्ज्वलन एवं मालयार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री जीतेंद्र सिंह ने बाबा साहेब दवारा बताए गये मार्ग पर चलने के लिए सभी से आग्रह किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री शिवचरण बैरवा, मुख्य परियोजना प्रबंधक गति शक्ति श्री मुकेश कुमार सहित रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

नामांकन से पहले कांग्रेस उम्मीदवार ने मुंडन करवाया, कहा- गोडसे और गांधी विचाराधार के बीच लड़ाई

नवसारी (ईएमएस) लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में गुजरात की सभी 26 सीटों पर वोटिंग होगी और उसके लिए कांग्रेस प्रत्याशियों ने आज से अपना नामांकन भरना शुरू कर दिया हैं गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस उम्मीदवार नैषध देसाई ने अनोखे अंदाज में प्रचार किया और नामांकन पत्र दाखिल किया इस मौके पर नैषध देसाई ने भाजपा पर कड़े प्रहार किए और कहा कि आज गोडसे और गांधी विचारधारा के बीच लड़ाई हैं दक्षिण गुजरात के नवसारी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी नैषध देसाई ने आज नामांकन पत्र भरने से पहले अपना मुंडन करवाया और गांधी वेशभूषा में प्रचार किया मीडिया से बातचीत में कांग्रेस उम्मीदवार ने भाजपा पर कड़े प्रहार किए उन्होंने कहा कि मौजूदा चुनाव गोडसे और गांधी विचारधारा के बीच लड़ाई हैं भाजपा नवसारी की भूमि को भूल चुकी है और आज लोकतंत्र के लिए सत्याग्रह जरूरी हैं गांधीजी की जब हत्या हुई थी तब उनके मुंह से 'हे राम' निकला था पिछले 10 साल से हम देश में तानाशाही देख रहे हैं आज शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र का व्यापारीकरण हो चुका हैं टीवी और यूटयूब की आवाज अलग लग रही हैं पुलिस, आयकर समेत सभी विभागों के कर्मचारियों में दहशत और लालच पैदा की गई हैं उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह ने 118 पत्रकार परिषद की थी, जबकि मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शून्य पत्रकार परिषद की हैं काला धन लाना तो दूर उल्टे नोटबंदी के जरिए काला धन सफेद कर दिया नैषध देसाई ने कहा कि आज राजसत्ता का आतंक हैं कैग भी योजनाओं में भ्रष्टाचार होने का खुलासा कर चुका हैं हे राम के नाम से लूट चलाई जा रही हैं हे राम के नाम पर वोट की लूट की जा रही हैं आज चुनाव निरीक्षकों की नियुक्ति भी मोदी सरकार कर रही हैं बेहतर होगा कि मोदी को ही राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, चुनाव आयुक्त और रिजर्व बैंक अधिकारी बन जाना चाहिए उन्होंने कहा कि मोदी जिनपिंग बनने और लोकतंत्र की आवाज दबाने का प्रयास कर रहे हैं बता दें कि नवसारी सीट से अंतिम समय में कांग्रेस ने जिन नैषध देसाई को उम्मीदवार बनाया है वह पहले भी लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन हर बार हार का सामना करना पड़ा वर्ष 2014 में सूरत लोकसभा सीट पर नैषध देसाई ने बतौर कांग्रेस उम्मीदवार भाजपा प्रत्याशी दर्शन जरदोश के खिलाफ चुनाव लड़ा था जिसमें दर्शन जरदोश को 718412 और नैषध देसाई को केवल 185222 वोट मिले थे उससे पहले विधानसभा का चुनाव भी कांग्रेस के टिकट पर लड़ चुके हैं, लेकिन हार गए थे

'केंद्र में कांग्रेस की सरकार आने पर गोहत्या पर प्रतिबंध' रो पड़ीं कांग्रेस उम्मीदवार गनीबेन ठाकोर

अहमदाबाद,दि.15

बनासकांठा लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गनीबेन ठाकोर ने आज नामांकन फॉर्म भर दिया। नामांकन फॉर्म भरने से पहले उन्होंने ट्रैक्टर में बैठकर रैली निकाली और एक सभा को संबोधित किया। सभा में मौजूद भीड़ को संबोधित करते हुए गनीबेन भावुक हो गईं। जब गांव-गांव लोग मुझे फूल-मालाएं पहनाते थे... यह कहते-कहते वे रो पड़ी।

जब मैं गांव-गांव जाती हूं तो लोग मुझे फूल-मालाएं पहनाते हैं, तो उनका मुझ पर कर्ज होता है और लोकसभा कोई छोटी चीज नहीं है। पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ने पर भी टिकट नहीं मिलता, लेकिन जब इस बनासकांठा के लोगों के विश्वास ने मुझे टिकट दिया है, तो हे भगवान कृष्ण कन्हैया, मेरी नाव को बचाएं और मेरे बनासकांठा को सुरक्षित रखें। बनासकांठा लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गनीबेन ठाकोर ने आज नामांकन फॉर्म भर दिया। नामांकन फॉर्म भरने से पहले उन्होंने ट्रैक्टर में बैठकर रैली निकाली और एक सभा को संबोधित किया। सभा में मौजूद भीड़ को संबोधित करते हुए गनीबेन भावुक हो गईं। गनीबेन ठाकोर भावुक हो गईं और उन्होंने कहा कि जब वे गांव-गांव जाती हैं तो लोग उन्हें फूल-मालाएं पहनाते हैं।

मैंने पिछले डेढ़ महीने से पूरे जिले के हर तालुका की यात्रा की है। इसलिए मुझे खुद चुनाव लड़ने का ज्यादा विचार नहीं था, लेकिन जब पूरा जिला, हमारा कांग्रेस मावडी मंडल और हमारे जिले के नेता जो टिकट मांग रहे थे, वे सभी एक नाम रखने के लिए एक साथ आए और कहा कि बेन हम अब खुद टिकट नहीं मांगते। लेकिन समय और परिस्थिति के कारण आपको चुनाव लड़ना ही पड़ेगा।

गनीबेन ठाकोर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम पूरे जिले में विभिन्न मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ रहे हैं, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार आएगी तो गोहत्या पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। जनसत्ता एक तरफ और धन दूसरी तरफ। मेरी जीत मेरी अपनी नहीं, बल्कि मेरे अठारह सहयोगियों की होगी। मैं यह चुनाव बनासकांठा की आजादी के लिए लड़ना चाहती हूं।

अहमदाबाद-योगनगरी ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस एवं गांधीनगर-जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन आंशिक परिवर्तित मार्ग से चलेगी

अहमदाबाद,दि.15

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर मेहसाणा-पालनपुर सेक्शन के उमरदाशी स्टेशन पर दोहरीकरण कार्य के संबंध में इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण अहमदाबाद-योग नगरी ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस और गांधीनगर कैपिटल-जम्मू तवी एक्सप्रेस आंशिक परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस रेगुलेट रहेगी। जिसका विवरण इस प्रकार हैः-

16से18अप्रैल2024तक अहम दाबादसेचलनेवालीट्रेनसंख्या 190 31अहमदाबाद-योग नगरी ऋषि केश योगा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया महेसाणा-पाटन-भीलड़ी-पालनपुर के रास्तेचलेगी तथा यह ट्रेन उंझा औरसिद्धपुर स्टेशनों पर नहीं जाएगी।

18 अप्रैल 2024 को गांधानगर से चलने वाली ट्रेन संख्या 19223 गांधीनगर कैपिटल-जम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन परिवर्तित मार्ग वाया महेसाणा-पाटन-भीलड़ी-पालनपुर केरास्ते चलेगी तथा यह ट्रेन उंझा और सिद्धपुर स्टेशन पर नहींजाएगी। 19 अप्रैल 2024 को जोधपुर से चलनेवाली ट्रेन संख्या14821 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस पालनपुर स्टेशन पर 30 मिनट रेगुलेट (लेट) होगी।

पश्चिम रेलवे द्वारा वडोदरा से गोरखपुर व मऊ के लिये स्पेशल ट्रेनें शुरू

वडोदरा,दि.15 (ईएमएस)

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर स्पेईशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेनशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1- ट्रेन संख्या 09111/09112 वडोदरा-गोरखपुर स्पेशल (साप्ताहिक) ड22 फेरे.

ट्रेन संख्या 09111 वडोदरा-गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक सोमवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 15 अप्रैल 2024 से 24 जून 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या2 09112 गोरखपुर-वडोदरा स्पेशल प्रत्येक बुधवार को गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.35 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 अप्रैल 2024 से 26 जून 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, आगरा किला, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कानपुर, लखनऊ, बाराबांकी, गोंडा और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2- ट्रेन संख्यु 09195/09196 वडोदरा-मऊ सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) ड22 फेरे.

ट्रेन संख्याट 09195 वडोदरा-मऊ सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शनिवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.45 बजे मऊ पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्याब 09196 मऊ-वडोदरा सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक रविवार को मऊ से 23.15 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 00.45 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, दाहोद, रतलाम, कोटा, बयाना, आगरा किला, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर और वाराणसी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच शामिल हैं

गुजरात के वलसाड से आज रवाना हुई स्पेशल ट्रेन, सूरत के उधना स्टेशन से गुजरेगी

वलसाड,दि.15

गुजरात के सूरत स्थित उधना रेलवे स्टेशन पर अप्रवासी मजदूरों की भारी भीड़ के बीच पश्चिम रेलवे ने एक और स्पेशल ट्रेन रवाना करने का फैसला किया । रेलवे की यह ट्रेन अनारक्षित श्रेणी की है। ट्रेन 15 अप्रैल की शाम तीन बजे रवाना हुई । यह ट्रेन वलसाड से रवाना हुई और फिर उधना सूरत और वडोदरा होते हुए मध्य प्रदेश और यूपी से होकर बिहार जाएगी।

सूरत के सटे उधना रेलवे स्टेशन पर अप्रवासी मजदूरों की भारी भीड़ के बीच पश्चिम रेलवे की आज एक विशेष ट्रेन रवाना की गई । यह ट्रेन गुजरात के वलसाड से चलेगा और उधना, सूरत होकर वडोदरा के रास्ते मध्य प्रदेश और यूपी होकर बिहार के दरंभगा तक जाएगी।

यह ट्रेन जाने वलसाड से चलने के बाद सूरत के उधना रेलवे स्टेशन, सूरत, अंकलेश्वर, भरूच, वड़ोदरा, रतलाम जंक्शन, नागदा जंक्शन, उज्जैन, मक्सी जंक्शन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दामोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिक्की, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा जंक्शन, पाटलिपुत्र जंक्शन, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर जंक्शन पर रुकेगी। इस ट्रेन के वलसाड से बिहार के रवाना होने पर अप्रवासी मजदूरों और गर्मियों की छुट्टी में अपने घर जाने के इच्छुक लोगों को काफी सहूलियत होगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
(A Govt. of India Undertaking)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय
यूनियन बैंक भवन, एम एस यूनिवर्सिटी के सामने, काला घोडा, सयाजीगंज, वडोदरा - 390005.

लीज पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के बड़ौदा क्षेत्र के अंतर्गत निम्नलिखित शाखा हेतु भूतल पर स्थित सुनिर्मित/अर्द्ध निर्मित व्यवसायिक परिसर की लीज पर आवश्यकता है।

क्र.	शाखा	कार्पेट एरिया	स्थान
01	डेडियापाड़ा	1200 ± 10%	मुख्य बाज़ार

अनुकूल परिसर अथवा संपत्ति के स्वामित्व वाले व्यक्ति/प्रतिनिधि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा - 390005 अथवा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की राजपीपला शाखा से दिनांक 16-04-2024 से कार्यालय अवधि के दौरान तकनीकी निविदा / मूल्य निविदा प्रारूप प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा तकनीकी निविदा /मूल्य निविदा प्रारूप बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in व ई प्रॉक्यूरमेंट पोर्टल eprocure.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है। तकनीकी निविदा के साथ रु. 1000/- का डी.डी./पीओ (नॉन रिफन्डेबल) एक मुहरबंद लिफाफे में तथा मूल्य निविदा अलग मुहरबंद लिफाफे में दिनांक 06-05-2024 दोपहर 3:00 बजे तक हमारे क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा में जमा कर सकते है। तकनीकी निविदा दिनांक 06-05-2024 को दोपहर 3:30 बजे क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा पर खोली जायेगी।

नोट: बैंक बिना किसी कारण बताए या जो भी हो, किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

दिनांक :16/04/2024
स्थान : वडोदरा

क्षेत्र प्रमुख

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96